दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक – जगजीत सिंह दर्दी   संपादक – डा.के.के.संधू   प्रबन्ध संपादक: सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227   वर्ष 9 अंक 150 सोमवार 1 जून, 2026   Monday 1 June, 2026   मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 8   मोब :9416406615,7404278000,9215537704

नदी में डूबती लड़की को बचाने उतरे पांच लोगों की मौत

कुरनूल,31 मई (निस):आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में तुंगभद्रा नदी में एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहां एक नाबालिग लड़की को बचाने के प्रयास में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि लड़की सुरक्षित बच गई। यह घटना बहादुरी, इंसानियत और त्रासदी की एक ऐसी कहानी है जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। करीब साढ़े चार बजे**(शेष पृष्ठ दो पर)**

पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

जनता से किए वादे पूरे करने में विफल रही आम आदमी पार्टी की सरकार - मुख्यमंत्री

चंडीगढ़,31 मई (अमृतपाल सिंह): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में मिली हुई हैं और दोनों की विचारधारा एक जैसी है। पंजाब में हुए निकाय चुनावों में जिस प्रकार कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई गईं, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि बैलट पेपर से चुनाव करवाकर पंजाब सरकार ने यह साबित कर दिया कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी हार से डरी हुई थी ।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने जनता से बड़े-बड़े वादे किए, लेकिन उन्हें पूरा करने में विफल रही। जनता अब समझ चुकी है कि केवल घोषणाएं करने और सब्जबाग दिखाने से विकास नहीं होता ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार को जनता को यह बताना चाहिए कि चुनावों के दौरान किए गए वादों में से आखिर कितने वादे पूरे किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास कार्यों के नाम पर अपेक्षित कार्य नहीं हुए और कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हुई है। पंजाब में गैंगस्टरवाद को बढ़ावा मिला, जिससे आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है ।उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ चलाई गई 'युद्ध नशे विरुद्ध' मुहिम भी अपेक्षित परिणाम देने में असफल रही है। युवाओं को नशे से बचाने और **(शेष पृष्ठ दो पर)**

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डील आज से, टेरिफ-तेल एवं रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली में आज से चार दिवसीय वार्ता, आर्थिक सुरक्षा सहयोग पर होगा फोकस

नई दिल्ली 31 मई (निस) भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे ।इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर खास बातचीत-भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं।

आर्थिक सुरक्षा सहयोग

दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी ।समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18% करने की बात कही गई थी ।इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को 18 प्रतिशत तक सीमित करने का प्रस्ताव था।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण-अमेरिका की घरेलू राजनीति और टैरिफ नीति में बदलाव के कारण वार्ताओं की दिशा प्रभावित हुई। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट के तहत लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ**(शेष पृष्ठ दो पर)**

साकेत में पांच मंजिला इमारत ढही, दो की मौत और कई घायल

नई दिल्ली 31 मई(निस) नई दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास एक पांच मंजिला इमारत भरभराकर ढह गई, जिसमें दो लोगों की दुखद मौत हुई और कई अन्य घायल है। हादसे के बाद से साउथ दिल्ली के सैदुलाजाब इलाके में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य जारी है। घटना में कुल 10 घायलों को अस्पताल लाया गया। इसमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है, जबकि छह अन्य घायलों की स्थिति स्थिर है। अस्पताल प्रशासन ने पुष्टि की कि दो लोगों को मृत अवस्था में ही अस्पताल लाया गया था ।यह इमारत साकेत मेट्रो स्टेशन के पास महरौली थाना इलाके में ढही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इमारत गिरने से कुछ क्षण पहले तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद धूल और मलबे का विशाल गुबार पूरे इलाके में फैल गया। जिस पांच मंजिला इमारत का ढांचा ढहा, वह एक व्यावसायिक इमारत थी जिसमें कई दफ्तर थे। गनीमत रही कि शनिवार होने के कारण सभी कार्यालय बंद थे, जिससे एक बड़ी संख्या में लोग इस हादसे की चपेट में आने से बच गए ।ढहती हुई इमारत पास की ही एक दूसरी बिल्डिंग पर जा गिरी, जिसके नीचे बनी कैंटीन में उस वक्त कुछ छात्र खाना खा रहे थे।

देश के युवाओं में अद्भुत प्रतिभा, पीएम मोदी ने एथलीट गुरिंदरवीर सिंह की सराहना की

नई दिल्ली 31 मई (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 134वें संस्करण में कहा, हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद, प्रकार बदल जाता है। कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगता है तो कहीं कच्चे आम उबलने लगते हैं और फिर शुरू होता है देसी पेय का दौर। देसी पेय से आप भी परिचित हैं। उत्तर भारत में आपको कई जगह मिलेगा आम पन्ना...पंजाब-हरियाणा जाने पर लस्सी मिल जाएगी, राजस्थान और गुजरात में छाछ जैसे हर खाने की साथी बन जाती है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में सत्तू का शरबत... इनमें से ज्यादातर चीजें हमारी रसोई से निकली हैं... आप भी गर्मी के दौरान देसी पेयजलों का खूब आनंद लीजिए ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मन की बात रेडियो प्रोग्राम में भारतीय एथलीटों की हालिया उपलब्धियों के साथ की और कहा कि रांची में 29वें नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पिटिशन 2026 में 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड दो दिनों में तीन बार तोड़ा गया। पीएम मोदी ने गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से बात की, जिन्होंने अपनी प्रैक्टिस, दोस्ती और हेल्दी कॉम्पिटिशन के बारे में बात की ।गुरिंदरवीर सिंह ने कहा कि वे दोस्त थे और प्रैक्टिस में एक-दूसरे की मदद करते थे, लेकिन रेस के दौरान वे कॉम्पिटिटर होते हैं। इंडियन नेवी में गुरिंदरवीर सिंह ने कहा कि वह देश के सबसे तेज़ स्प्रिंटर हैं और उन्होंने 100 मीटर की रेस 10.09 सेकंड में पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया है। एथलीट ने यह भी कहा कि जब उनकी मां ने उन्हें बचपन में टेलीविज़न देखने से रोका और पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा, तो उन्होंने उनसे कहा था कि वह एक दिन**(शेष पृष्ठ दो पर)**

अगले विस चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा का अहंकार दूर कर देगी-अखिलेश यादव

लखनऊ 31 मई (निस) समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर अनैतिक तरीकों से चुनाव जीतने का आरोप लगाया और दावा किया कि लोग भविष्य के चुनावों में पार्टी की राजनीतिक चालों को नाकाम कर देंगे। यादव ने यह बात भाजपा विधायक श्याम प्रकाश के शनिवार के एक बयान के जवाब में कही।

सपा का आरोप- भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है- प्रकाश ने कहा था कि चुनाव केवल विकास के आधार पर नहीं जीते जाते, बल्कि तिकड़म और रणनीति के माध्यम से भी जीते जाते हैं। भाजपा विधायक के इस बयान का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए यादव ने पार्टी पर तंज कसते हुए कहा, भाजपा में जितना अधिक बेईमान व्यक्ति होता है, वह उतना ही ऊंचा पद पाता है। उन्होंने कहा, भाजपा बेईमानी से चुनाव जीतती है, इस बात को स्वीकार करके**(शेष पृष्ठ दो पर)**

जनरल सुब्रमणि ने सीडीएस का पदभार संभाला, असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

नई दिल्ली 31 मई (निस):देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। दक्षिण ब्लॉक लॉन्स में आयोजित समारोह में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वह भारत के तीसरे सीडीएस बने हैं और उन्होंने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जो शनिवार को सेवानिवृत्त हुए थे। पदभार संभालने के बाद जनरल सुब्रमणि ने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय तथा अन्य सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह एकजुट हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के विकास, खरीद तथा उपयोग की प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। साथ ही आधुनिक युद्ध की चुनौतियों को देखते हुए सेना में नई सोच और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। रक्षा मामलों के जानकार जनरल सुब्रमणि को चीन और पाकिस्तान से जुड़े सामरिक विषयों का विशेषज्ञ माना जाता है ।**(शेष पृष्ठ दो पर)**

उत्तराखंड में मौसम का कहर: केदारनाथ में तीन की मौत, चारधाम यात्रा ठप

देहरादून 31 मई (निस): उत्तराखंड में रविवार को मौसम बेहद बिगड़ गया, जिससे पहाड़ से लेकर मैदान तक जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने प्रदेशभर में आपदा जैसी स्थिति की पुष्टि की है। सबसे दर्दनाक खबर रुद्रप्रयाग जिले से आई, जहां केदारनाथ धाम में तीन श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य बिगड़ने से मौत हो गई, इसके बाद चारधाम यात्रा के मार्गों पर यात्रियों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। 30 मई को एक ही दिन में दम तोड़ने वाले श्रद्धालुओं में मध्यप्रदेश के गोपाल मिश्रा (76), गुजरात के नावघंजी लक्ष्मणजी ठाकुर (52) और तेलंगाना के बालागनी बलराजू (49) शामिल हैं। ये सभी केदारनाथ दर्शन के दौरान या बाद में स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण फाटा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान या उससे पहले चल बसे। मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर, जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ने सुबह 10 बजे से यात्रियों को आगे जाने से रोक दिया और सभी को निकटतम सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया। प्रदेश के अन्य हिस्सों से भी चिंताजनक खबरें**(शेष पृष्ठ दो पर)**

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली 31 मई (निस): लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया ।साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी ।वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज**(शेष पृष्ठ दो पर)**

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेरा राधा स्वामी ब्यास में बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से की शिष्टाचार भेंट

कपूरथला के माता भद्रकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

चंडीगढ़,31 मई (अमृतपाल सिंह): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को डेरा राधा स्वामी सत्संग, ब्यास पहुंचकर डेरा प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कपूरथला पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध माता भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत समाज को जोड़ने तथा सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करती है ।अपने कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कपूरथला के सर्कुलर रोड मार्केट क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की तथा स्थानीय नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में मुख्यमंत्री के प्रति विशेष उत्साह देखने को **(शेष पृष्ठ दो पर)**

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला नौसेना प्रमुख का कार्यभार,आत्मनिर्भरता और युद्धक क्षमता पर रहेगा जोर

नई दिल्ली 31 मई (निस): भारतीय नौसेना को अपना 27वां नौसेना प्रमुख मिल गया है। 31 मई को एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक परिसर में आयोजित औपचारिक समारोह में प्रतिष्ठित पद का कार्यभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया, जिसके साथ ही उन्होंने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया, जो उसी दिन सेवा से सेवानिवृत्त हुए ।1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले एडमिरल स्वामीनाथन संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला सहित यूनाइटेड किंगडम स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज और संयुक्त राज्य अमेरिका के नेवल वॉर कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। अपने नौसैनिक करियर में, उन्होंने मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत और विनाश, मिसाइल कॉर्वेट आईएनएस कुलिश, निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूर और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य सहित अनेक महत्वपूर्ण परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है ।पदभार संभालने के बाद, एडमिरल स्वामीनाथन ने इस दायित्व को विनम्रता, गर्व और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने इसे देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा चुना जाना अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताते हुए विश्वास दिलाया कि भारतीय नौसेना राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर समय सतर्क और तैयार रहेगी। वर्तमान क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को लगातार चुनौतीपूर्ण, जटिल और अनिश्चित बताकर,**(शेष पृष्ठ दो पर)**

पृष्ठ एक का शेष...

भारत-अमेरिका के बीच फाइनल ट्रेड डील आज से, टेरिफ-तेल ...

को चुनौती देने वाले मामले में फैसला सुनाया।इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10त्न समान शुल्क लागू करने की घोषणा कर दी। इस फैसले के बाद फरवरी में प्रस्तावित भारत-अमेरिका वार्ता टल गई थी।ट्रेड डील पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल 2026 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन की यात्रा की और बात को आगे बढ़ाया।भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। इसके बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है।विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।भारत-अमेरिका व्यापार का मौजूदा परिदृश्य-अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका से आयात 15.95त्न बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अधिशेष 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था।

देश के युवाओं में अदभूत प्रतिभा, पीएम मोदी ने एथलीट ...

उन्हें टेलीविज़न पर देखेंगी। गुरिंदरवीर सिंह ने कहा, आज मुझे बहुत खुशी होती है जब वे मुझे टेलीविज़न पर देखते हैं। गुरिंदरवीर ने इस महीने की शुरुआत में रांची में 29वें नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पिटिशन 2026 में शानदार 10.09 सेकंड का समय निकाला, और ब्लू-रिबैंड इवेंट में 10.10 सेकंड का बैरियर पार करने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए। 25 साल के गुरिंदरवीर की शानदार कोशिश ने नेशनल रिकॉर्ड फिर से बनाया और कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स दोनों के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया। गुरिंदरवीर के रिकॉर्ड तोड़ने वाले रन ने रांची में एक रोमांचक दिन का अंत किया। उन्होंने पहले सेमीफाइनल में 10.17 सेकंड का समय निकालकर कुछ समय के लिए नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन कुछ ही देर बाद साथी स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड की कोशिश से इसे तोड़ दिया। हालांकि, फाइनल में, गुरिंदरवीर ने अपने ऐतिहासिक 10.09 सेकंड के फिनिश के साथ ज़ोरदार तरीके से रिकॉर्ड वापस पा लिया, जबकि उन्होंने और अनिमेष दोनों ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने स्प्रिंटर को बधाई दी जब वह पुरुषों की 100द्व इवेंट में 10.10 सेकंड से कम समय में रेस पूरी करने वाले पहले भारतीय बने।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों ...

देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने देशद्रोही और सोरोस एजेंट कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें एंटी नेशनल या डीप स्टेट एजेंट जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।
मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।
कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।
नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।
E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डेरा राधा स्वामी ब्यास में ...

मिला।मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से कहा कि सरकार जनकल्याण, विकास और सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है तथा आमजन के हित सर्वोपरि हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव श्री तरुण भंडारी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक...

नशे की समस्या को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की बजाय केवल प्रचार पर अधिक ध्यान दिया गया। सरकार को इस दिशा में गंभीर प्रयास करने चाहिए थे, लेकिन धरातल पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दिए।

हरियाणा की डबल इंजन सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को दी गति - मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के साथ राज्य सरकार की चिरायु योजना को जोड़कर प्रदेश के लाखों परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया गया है। गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकासपरक नीतियों पर विश्वास जता रही है तथा आने वाले समय में पंजाब में कमल खिलाने का कार्य करेगी। जनता विकास, सुशासन और जवाबदेही की राजनीति चाहती है तथा केवल वादों से अब संतुष्ट नहीं होगी।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला नौसेना प्रमुख का ...

उन्होंने भारतीय नौसेना की परिचालन तत्परता और युद्धक क्षमता को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखने को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया। उनका जोर क्षमता विस्तार, आधुनिकीकरण और उभरती एवं अत्याधुनिक तकनीकों को शीघ्र शामिल कर नौसेना की परिचालन क्षमताओं को और अधिक मजबूत बनाने पर रहेगा। उन्होंने संयुक्त सैन्य संचालन, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण को भी अपनी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया, ताकि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति मिल सके। एडमिरल स्वामीनाथन ने नौसेना के अधिकारियों, नाविकों और महिला कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा तथा व्यावसायिकता की प्रशंसा करते हुए उनके कल्याण, पेशेवर विकास और बेहतर कार्य वातावरण को अपनी प्रमुख जिम्मेदारी बताया।

उत्तराखंड में मौसम का कहर: केदारनाथ में तीन ...

मिली हैं। उत्तरकाशी में नैनीताल की महिला ट्रेकर बबीता पांडे 30 मई को लापता हो गईं, जिनकी तलाश में एसडीआरएफ, पुलिस और वन विभाग का 17 सदस्यीय दल जुटा है। इसी तरह, बागेश्वर के पिंडारी ग्लेशियर ट्रेक से वापसी के दौरान नोएडा निवासी ट्रेकर अभिषेक चौहान भी लापता हो गए, जिनकी खोज जारी है। चंपावत में एनएच-111 पर एक युवक लखविंदर सिंह (25) 200 मीटर गहरी खाई में गिरने से मृत मिला। गंगोत्री यात्रा मार्ग पर भी तीन और यात्रियों की मौत की खबर है, जिनमें महाराष्ट्र के लक्ष्मी दामोदर रामटेकर (67) और दामोदर हिराम रामटेकर (76) की गंगनानी के पास तथा मध्यप्रदेश के हरिमोहन कलाराम (61) की यमुनोत्री पैदल मार्ग पर बम्भूट के पास स्वास्थ्य बिगड़ने से मौत हो गई।इस बीच, चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या 26 लाख 91 हजार से अधिक पहुंच गई है, जिसमें सिर्फ केदारनाथ में 10 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हैं। हालांकि, इस सीजन में यात्रा से जुड़े कुल 138 मामलों में मृत्यु या लापता होने की सूचना है, जो चिंता का विषय है। हालिया आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में 125 लोगों की जान गई है और 427 घायल हुए हैं। प्राकृतिक आपदाओं में भी 12 मौतें और 12 घायल होने की सूचना है, जो राज्य में आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को उजागर करती है।

मौसम विभाग का अलर्ट 5 जून तक राहत नहीं - भारत मौसम विज्ञान विभाग, अगले 24 घंटों में तापमान में 1 से 3 डिग्री की और गिरावट हो सकती है, हालांकि उसके बाद 3 से 4 दिनों में 3 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। 5 जून तक पर्वतीय इलाकों में मौसम खराब रहने की संभावना बनी हुई है।

जनरल एनएस राजा सुब्रमणि बने देश के नए सीडीएस...

ऐसे समय में उनकी नियुक्ति हुई है जब भारत अपनी सैन्य संरचना में बड़े बदलावों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके सामने सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तीनों सेनाओं के लिए प्रस्तावित थिएटर कमांड व्यवस्था को लागू करने की होगी। दरअसल, हाल ही में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया था कि थिएटर कमांड मॉडल को लेकर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है और विभिन्न स्तरों पर उसका परीक्षण चल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि अगले दो से तीन वर्षों में यह व्यवस्था जमीन पर दिखाई देने लगेगी।वर्तमान में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की कुल 17 अलग-अलग कमांड हैं। किसी भी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं आपसी समन्वय से काम करती हैं, लेकिन उनकी कमान अलग-अलग अधिकारियों के हाथ में रहती है। प्रस्तावित थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी विशेष क्षेत्र या मिशन के लिए एकीकृत कमांडर नियुक्त होगा, जिसके अधीन तीनों सेनाओं की इकाइयां मिलकर कार्य करेंगी। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा और युद्धक क्षमता में वृद्धि होगी।रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जनरल सुब्रमणि थिएटर कमांड प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने में सफल रहते हैं, तो यह भारतीय सैन्य ढांचे में स्वतंत्रता के बाद का सबसे बड़ा सुधार साबित हो सकता है।

नदी में डूबती लड़की को बचाने ...

मंत्रालयम इलाके में नदी किनारे पैर धो रही नाबालिग लड़की का संतुलन बिगड़ा और वह फिसलकर तेज बहाव में नदी में गिर गई। लड़की को बहता देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद बिना सोचे-समझे, लड़की की जान बचाने के लिए पांच लोग नदी में कूद पड़े। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की क्योंकि लड़की की जान खतरे में थी और नदी का बहाव काफी तेज़ था।

अगले विस चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा ...

भाजपा के विधायक ने भ्रष्ट भाजपाई राजनीति का एनकाउंटर कर दिया है, साथ ही ऊपर बुलडोज़र भी चलवा दिया है।

2027 के चुनावों में बीजेपी को खारिज कर देंगी जनता

सपा प्रमुख ने यह सवाल भी किया कि देखते हैं कि भाजपा इस विधायक के बयान पर कैसे प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने कहा, अब देखना होगा कि क्या इस भाजपा विधायक को पार्टी से निकाला जाएगा या अगले मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा।

विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134वां संस्करण

पिंजौर, 31 मई (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): कालका की लोकप्रिय विधायक शक्तिरानी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। यह कार्यक्रम भाजपा परिवार के समर्पित सदस्य भागीरथ लाड़ी के निवास, बूथ नंबर 118, रजीपुर, ब्लॉक पिंजौर में आयोजित किया गया। जिसमें भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों को दिए गए प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री ने युवाओं की उपलब्धियों, राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता जैसे विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।इस अवसर पर विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवा एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर की उपलब्धियाँ यह सिद्ध करती हैं कि दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर भारत का युवा विश्व स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित कर सकता है। विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेखित गिरिजा अम्मा जी का प्रयास यह संदेश देता है कि राष्ट्रसेवा के लिए भावना सबसे बड़ी होती है। विद्यार्थियों का अपने वीर जवानों के प्रति यह समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है और समाज में राष्ट्रभक्ति तथा जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बढ़ती गर्मी के मद्देनजर स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, पर्याप्त मात्रा में जल सेवन करने तथा पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों को अपनाने का संदेश अत्यंत प्रासंगिक और जनहितकारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से इन संदेशों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशभर में हो रहे सकारात्मक और प्रेरणादायक कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्रहित में योगदान देने और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन

पिंजौर, 31 मई (अजीत सिंह, अख्तर फ़ारूक़ी): हित चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन रॉयल ऑर्किड, पिंजौर में सम्पन्न हुआ। समारोह में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर परिषद कालका के चेयरमैन कृष्ण कुमार लांबा, मंडल अध्यक्ष हरीश मोगा ,हित चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।सभी अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में कृष्ण कुमार लांबा ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। शिक्षा, संस्कार और परिश्रम के बल पर युवा पीढ़ी समाज और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि शक्ति रानी शर्मा ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो व्यक्ति के जीवन को नई दिशा प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर हित चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधक हितेश पाहवा ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। प्रतिभाओं को उचित मंच और सम्मान देकर ही हम एक सशक्त एवं शिक्षित समाज का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके उपरांत शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी अतिथियों, विद्यालयों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर डॉ श्वेता कोहली जम्मू से तथा हित चैरिटेबल ट्रस्ट से परमजीत शर्मा, प्रवीण सक्सेना,आचार्य सुनील दत्त गौतम,रोहताश आर्य,मुकेश पसरीचा आदि सदस्यों का विशेष योगदान रहा ।

बच्चों को मिले संस्कार, सुरक्षा और आत्मविश्वास के सूत्र

ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र में तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का उत्साहपूर्ण समापन, 100 से अधिक बच्चों ने लिया भाग

रायपुररानी, 31 मई (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का रविवार को सफलतापूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह में प्रतिभागी बच्चों ने चित्रकला, गीत, नृत्य और वक्तृत्व कला के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और उत्साह ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा केंद्र की प्रभारी बीके किरण ने कहा कि बच्चों में बचपन से ही नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास करना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को अनुशासित जीवनशैली अपनाने तथा अच्छे संस्कारों को जीवन का आधार बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर संदीप शर्मा ने बच्चों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए डिजिटल माध्यमों का उपयोग जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करने का संदेश दिया। शिविर में 100 से अधिक बच्चों ने भाग लेकर नई जानकारियां प्राप्त कीं और अपनी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर पाया। जबकि अभिभावकों ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर बच्चों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। समापन समारोह में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं आयोजकों ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, सहयोगियों एवं बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मानवता जन शक्ति फाउंडेशन ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, ग्रामीणों ने उठाया लाभ

हरदीप राणा बोले : शिविर का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है

करनाल, 31 मई (संदीप रोहिला): मानवता जन शक्ति फाउंडेशन द्वारा गांव ओंगद स्थित शिव मंदिर परिसर में शनिवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विशेषज्ञ डॉक्टरों से स्वास्थ्य परामर्श लिया। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने जनरल स्वास्थ्य, हड्डी रोग, हृदय रोग, स्त्री रोग, दंत रोग, शुगर, उच्च रक्तचाप सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इस दौरान विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। स्वास्थ्य जांच शिविर सुबह 9-30 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला, जिसमें गांव ओंगद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। फाउंडेशन के संस्थापक हरदीप राणा ने बताया कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य लगातार जारी रहेंगे। शिविर के सफल आयोजन पर ग्रामीणों ने मानवता जन शक्ति फाउंडेशन और सहयोगी चिकित्सा संस्थानों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मानवता जनशक्ति फाउंडेशन के संस्थापक हरदीप राणा, मैना देवी सरपंच , दिलबाग राणा जिला पार्षद, प्रदीप राणा, ध्यान सिंह, अमन शर्मा, सुभाष राणा, बिट्टू पंवार, बंटी राणा, टिंकू राणा, रोहतास शर्मा, राजविंद्र कौर, अभिषेक, जयभगवान, बीरू राणा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मन की बात जन-जन से संवाद और समाज को प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम : विधायक रामकुमार कश्यप

विधायक रामकुमार कश्यप ने ग्रामीणों के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 134 वां एपिसोड

इंद्री,31 मई (बिशपाल राणा): विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने रविवार को गांव गढ़ी बीरबल के बूथ नंबर 38 पर कार्यकर्ताओं और ग्रामवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134 वें एपिसोड को सुना। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए और अनावश्यक रूप से धूप में निकलने से बचना चाहिए। इसके साथ ही पीएम ने मनोरमा नदी बचाने वाले आकाश गुप्ता, डॉल्फिन रेस्क्यू एंबुलेंस से बची गंगा डॉल्फिन की जान, युवाओं में एस्ट्रोनॉमी को लेकर काफी उत्साह, नीदरलैंड्स ने लौटाईं चोला काल की ताम्र पट्टिकाएं तथा गोवा के सेवानिवृत्त शिक्षक बालकृष्ण अड़या का भी जिक्र किया

इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का %मन की बात% कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं है, बल्कि यह देश के कोने-कोने में छिपी प्रतिभाओं, सकारात्मक कहानियों और समाज सुधार के प्रयासों को एक मंच पर लाने का एक अनूठा माध्यम बन चुका है। मन की बात केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन से संवाद, देश को दिशा और समाज को प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम लगातार सरकार और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इस कार्यक्रम को जनसंचार के क्षेत्र में एक अनूठी पहल माना जाता है। इस कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री सीधे नागरिकों से संवाद करते हैं और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों, सामाजिक विकास, नवाचार और प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं। इसका उद्देश्य न केवल सरकार और जनता के बीच दूरी कम करना है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देना भी है। इस अवसर पर मन की बात कार्यक्रम के अध्यक्ष वेद प्रकाश, मंडल अध्यक्ष संजय कम्बोज,युवा अध्यक्ष अमित सिंहमार , बीएलए 2 रामदास , सुरेन्द्र वाल्मीकि, कमलजीत मढ़ान, रामदत्त शर्मा, श्याममुरारी शर्मा, विकाश राणा, पार्थ त्यागी, असलम नंदी, कुलदीप, तारा कश्यप, दीपक कश्यप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जयवीर जून बने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिलाध्यक्ष

असंध,31 मई (दलसिह मान): ब्लॉक समिति के पूर्व चेयरमैन जयवीर जून को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन का करनाल जिलाध्यक्ष

नियुक्त किया गया है। जयवीर जून की नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क व युधिष्ठिर राणा सालवन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और उनको बधाई दी । जयवीर जून ने अपनी नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा , प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह राठौर,राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनील पंवार , प्रदेशाध्यक्ष फोम लाल , निश्चय सोही व बसंत राणा का आभार व्यक्त किया। जयवीर जून ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी व बखूबी से निभाएंगे और संगठन को मजबूत करने का काम करेगें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक व ग्रामीण स्तर पर कमेटियों का गठन कर संगठन को इतना मजबूत कर दिया जाएगा कि आगामी चुनावी में कांग्रेस करनाल की सभी सीटों पर रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगी।

2002 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं का होगा मिलान : विश्राम कुमार मीणा

सत्यापन के लिए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, पहचान पत्र या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 13 मुख्य दस्तावेजों जरुरी

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों को पूरी तरह त्रुटिहीन, सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत वर्ष 2002 की पुरानी निर्वाचक नामावली (इलेक्टोरल रोल) का वर्तमान मतदाता सूची के साथ मिलान (डाटा मैपिंग और वेरिफिकेशन) किया जा रहा है। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे और सूची में से फर्जी, दोहरे या मृत मतदाताओं के नाम हटाए जा सकें।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा शुरुआती मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। आगामी चरणों के लिए बूथ लेवल अधिकारियों को विशेष रूप से सक्रिय किया गया है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे और एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे। यदि किसी मतदाता का नाम 2002 की सूची में था परंतु वर्तमान में कोई विसंगति है, या कोई मतदाता लंबे समय से किराए पर रह रहा है/प्रवासी है, तो उनके दस्तावेजों की गहनता से जांच की जाएगी। सत्यापन के दौरान मतदाता अपना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, पहचान पत्र या सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 13 मुख्य दस्तावेजों में से कोई भी एक साक्ष्य बीएलओ को दिखा सकते हैं। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने स्पष्ट किया कि मतदाता स्वयं भी राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से अपने विवरण की जांच कर सकते हैं। यदि नाम, आयु, पत्ते या संबंधियों के नाम में कोई त्रुटि है, तो फॉर्म-8 भरकर उसमें ऑनलाइन सुधार किया जा सकता है। नए मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 और नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 का प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईसीआई की वेबसाइट पर 2002 की मतदाता सूची उपलब्ध है। इन सूचियों से कोई भी व्यक्ति अपने वोट को अपडेट करवा सकता है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिले के सभी प्रबुद्ध नागरिकों, विशेषकर युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे इस मिलान व सत्यापन प्रक्रिया में बीएलओ का पूर्ण सहयोग करें। यदि बीएलओ के दौरे के समय घर बंद मिलता है, तो वे कम से कम तीन बार पुन: संपर्क करेंगे। इस अभियान का एकमात्र लक्ष्य लोकतंत्र को मजबूत करना और एक शुद्ध व पारदर्शी वोटर लिस्ट तैयार करना है।

कैथल-जींद मार्ग की बदहाली- रामगढ़ पांडव के पास सड़क बनी जोहड़, ग्रामीणों में रोष

पांच साल से नारकीय जीवन जीने को मजबूर ग्रामीण, एक्सियन के गैर-जिम्मेदाराना बयान से भड़का जन-आक्रोश

कलायत,31 मई (सूबे सिंह मोर): कलायत से करीब आधा दर्जन गांवों को कैथल-जींद मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क पिछले पांच वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। रामगढ़ पांडव गांव के समीप जल निकासी की पुख्ता व्यवस्था न होने के कारण यह मुख्य रास्ता अब एक गंदे तालाब (जोहड़) का रूप ले चुका है। स्थानीय निवासियों तरसेम, रवि विक्रम, सुनील और राममेहर का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा करीब एक वर्ष पूर्व यहां केवल कागजी खानापूर्ति की गई थी, जिसके चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। सड़क पर घुटनों तक जमा गंदे पानी और गहरे गड्ढों के कारण आए दिन राहगीर और वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। सबसे बदतर स्थिति समीप स्थित दसवीं कक्षा के सरकारी स्कूल के बच्चों की है, जिन्हें प्रतिदिन इसी बदबूदार पानी के बीच से मजबूरन गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार, ऐसी ही नारकीय स्थिति नजदीकी गांव चौशाला और बालू में भी बनी हुई है, जिससे आम जनता को भारी मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।**अधिकारी का अड़ियल रवैया : शनिवार को छुट्टी पर हूँ, जवाब देने के लिए बाध्य नहीं** – इस गंभीर जनसमस्या को लेकर जब संबंधित लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता (एक्सियन) राजकुमार नैन से संपर्क किया गया, तो उनका रवैया बेहद उदासीन और गैर-जिम्मेदाराना रहा। उन्होंने मामले से अनभिज्ञता जताते हुए जल निकासी की पूरी जिम्मेदारी स्थानीय ग्राम पंचायत पर डाल दी। अधिकारी का तर्क था कि बरसात के मौसम में तारकोल की पकड़ कमजोर होती है, इसलिए मानसून बीतने के बाद ही सड़क मरम्मत का कार्य संभव हो सकेगा। हद तो तब हो गई जब ग्रामीणों ने फोन पर समस्या का तात्कालिक समाधान जानना चाहा, तो अधिकारी ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि शनिवार को उनका अवकाश है और वे किसी को भी जवाब देने के लिए बाध्य नहीं हैं। अधिकारी के इस अड़ियल रुख ने जलभराव की मार झेल रहे ग्रामीणों के गुस्से में घी डालने का काम किया है। **मुख्यमंत्री और डीसी से गुहार, लापरवाह एक्सियन पर सख्त कार्रवाई की मांग** – विभागीय अधिकारियों की इस अनदेखी और टालमटोल की नीति से तंग आकर अब ग्रामीणों का धैर्य पूरी तरह से जवाब दे गया है। स्थानीय वासियों ने इस दुर्व्यवहार और लापरवाही के खिलाफ कार्यकारी अभियंता पर तुरंत कानूनी व अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कैथल की उपायुक्त (डीसी) अपराजिता से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा और क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यहां पानी की निकासी का कोई स्थाई प्रबंध किया जाए, क्षतिग्रस्त सड़क का नए सिरे से निर्माण हो और जनता को इस नारकीय जीवन से जल्द से जल्द मुक्ति दिलाई जाए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दनौदा में गूंजा नशामुक्ति का संदेश, ब्रह्मा कुमारीज नरवाना ने निकाली जागरुकता रैली

खाप प्रधान रघुबीर नैन ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं से नशे से दूर रहने का किया आह्वान

नरवाना, 31 मई (नरेन्द्र कुमार): विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रह्मा कुमारीज नरवाना द्वारा गांव दनौदा में रविवार सुबह भव्य नशामुक्ति जागरूकता रैली एवं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। रैली को सर्व जातीय बिनैण खाप के प्रधान रघुबीर नैन तथा ब्रह्मा कुमारीज नरवाना की प्रभारी बीके सीमा बहन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।रैली में शामिल माताओं, बहनों और युवाओं ने हाथों में नशा विरोधी बैनर लेकर दनौदा कलां और दनौदा खुर्द की गलियों में जागरूकता संदेश फैलाया। प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ जोरदार नारे लगाते हुए ग्रामीणों को तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। रैली का समापन सर्व जातीय बिनैण खाप के चबूतरे पर आयोजित एक प्रेरणादायी कार्यक्रम के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खाप प्रधान रघुबीर नैन, ब्रह्मा कुमारीज की प्रभारी बीके सीमा बहन, डॉ. बीके साधु राम शर्मा, बीके पूजा बहन तथा बीके अश्वनी दीवान ने अपने विचार रखे ।अपने संबोधन में खाप प्रधान रघुबीर नैन ने कहा कि नशा आज समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। नशे की लत परिवारों को बर्बाद कर रही है और समाज के विकास में बाधा बन रही है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, खेल और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाकर नशे से दूर रहने का आह्वान किया ।बीके पूजा बहन ने उपस्थित लोगों को नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक प्रतिज्ञा दिलाई। वहीं फलाहार हेल्थ कोच बीके अश्वनी दीवान ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल देते हुए कहा कि यदि लोग अपने भोजन में फल एवं हरी सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं तो अनेक बीमारियों के साथ-साथ नशे की प्रवृत्ति पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है ।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को फल वितरित किए गए तथा अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। ब्रह्मा कुमारीज के पदाधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारवान जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

सोमनाथ मंदिर की निशुल्क यात्रा के लिए 6 जून तक करें आवेदन,8 जून को विशेष ट्रेन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से झंडी दिखाकर करेंगे रवाना : डीपीआरओ कृष्ण कुमार

नरवाना, 31 मई (नरेन्द्र कुमार): जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी कृष्ण कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के अंतर्गत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - 1000 वर्ष की अखंड आस्था व पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल श्री सोमनाथ मंदिर प्रभास पाटन, वेरावल (गुजरात) के दर्शन करवाए जाएंगे। आगामी 8 जून को एक विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे ।उन्होंने कहा कि योजना के तहत यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इच्छुक श्रद्धालु 6 जून तक सरल हरियाणा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। चयन प्रक्रिया पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगी इसलिए पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करे। इस यात्रा का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। योजना के नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है ।उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को 6 जून तक पहले लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगा ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

ग्राम पंचायतें गांवों में पेयजल व्यवस्था की संभालेंगी जिम्मेदारी : विश्राम कुमार मीणा

स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, रखरखाव के साथ नए कनेक्शन देने और बिल भुगतान तक के कार्य पंचायतें करेंगी

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को एक नई दिशा मिलने जा रही है। अब जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव की पंचायत क्षेत्र में पेयजल उपलब्धता को लेकर काम करेगी। इसके लिए ग्राम स्तर पर एक कमेटी का गठन किया जाएगा और यह कमेटी पेयजल आपूर्ति से लेकर उसके रखरखाव, नए कनेक्शन देने और बिल भुगतान तक के कार्य को देखेगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने सराहनीय पहल की है। अब ग्रामीण स्तर पर एक कमेटी पेयजल आपूर्ति के मामलों को संभालेगी। इस कमेटी में विकास एवं पंचायत विभाग और जन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी के साथ-साथ ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, युवा, स्वयं सहायता समूह, महिला मंडल से जुड़े सदस्यों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बेहतर होने के साथ ही आने वाली समस्याओं या खराबियों को भी यह कमेटी अपने स्तर पर निवारण करवा सकेगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने इस संबंध में ग्राम पंचायतों को विस्तार से जानकारी देने के साथ सभी कार्य करने को लेकर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए हुए हैं।

अब 'टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ट्रिब्यूनल' में ऑनलाइन दायर की जा सकेगी अपील : विश्राम कुमार मीणा

अवैध निर्माण के खिलाफ की गई कार्रवाई पर पीड़ित व्यक्ति घर बैठे पोर्टल पर कर सकेंगे अपील

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा डिजिटल गवर्नेंस और नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ट्रिब्यूनल, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग हरियाणा द्वारा आमजन की सुविधा के लिए एक ऑनलाइन अपील फाइलिंग सिस्टम विकसित कर उसे लॉन्च कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था से प्रणाली में पारदर्शिता आएगी तथा लोगों की पहुंच और अधिक आसान होगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए कहा कि अब तक ट्रिब्यूनल के समक्ष अपील दायर करने के लिए लोगों को व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने कानूनी परामर्शदाता के माध्यम से ट्रिब्यूनल कार्यालय में जाना पड़ता था। इस मैनुअल प्रक्रिया में आमजन का काफी समय, श्रम और धन खर्च होता था। जनता को इस परेशानी से राहत दिलाने के उद्देश्य से अब पूरी प्रक्रिया को आधुनिक एवं व्यवस्थित बनाया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा शेड्यूल रोड्स एंड कंट्रोल्ड एरिया रिस्ट्रिक्शन ऑफ अनरेगुलेटेड डेवलपमेंट एक्ट, 1963 के तहत अवैध निर्माणों के खिलाफ संबंधित जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) द्वारा कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाती है। डीटीपी को यह शक्तियां महानिदेशक, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा की ओर से प्रदान की गई हैं। इस कार्रवाई से प्रभावित अथवा पीड़ित व्यक्तियों को कानूनन यह अधिकार प्राप्त है कि वे इसके विरुद्ध ट्रिब्यूनल के समक्ष अपनी अपील दायर कर सकें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अब प्रभावित व्यक्ति घर बैठे ही विभाग के वेब पोर्टल टीसीपी हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर अपनी पील ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे सरकार की इस डिजिटल सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से पारदर्शी एवं सरल प्रक्रिया का फायदा लें।

देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन त्याग, न्याय और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक : रामकुमार कश्यप

विधायक रामकुमार ने गांव बलड़ी में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

इंद्री, 31 मई (बिशपाल राणा): विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप ने आज गांव बलड़ी में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य

अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक ने हवन-यज्ञ में पूर्णाहूति डालकर और देवी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने एक ऐसे समय में शासन की बागडोर संभाली जब महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी कठिन था। वे न केवल एक महान वीरांगना थीं, बल्कि एक अत्यंत न्यायप्रिय और कुशल प्रशासक भी थीं, जिन्होंने अपने राज्य में जन-कल्याण और धर्म की स्थापना को सर्वोपरि रखा। उन्होंने कहा कि देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों, मंदिरों और घाटों के जीर्णोद्धार में देवी अहिल्याबाई का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने भारतीय संस्कृति और आस्था के केंद्रों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उनके शासनकाल को आज भी उनकी उदारता और न्याय प्रियता के लिए याद किया जाता है। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि समाज का हर वर्ग महापुरुषों की जीवनी से सीख लेकर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि आज के युग में हमें देवी अहिल्याबाई होलकर के सेवाभाव और अदम्य साहस को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। विशेषकर हमारी बेटियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त बनना चाहिए ।इस अवसर पर मेयर रेणु बाला गुप्ता, सुखबीर पाल, विक्रम पाल, धर्मपाल, श्याम सिंह, राजेंद्र पाल, जगदीश पाल, मनोज पाल, संजय पाल, राजू पाल, रवि पाल, राजेंद्र पाल, सुभाष पाल, कृष्ण पाल, सुभाष कोच, गांव के गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

अब नाम नहीं, काम चलेगा: कर्नाटक से कांग्रेस का सशक्त संदेश

कांग्रेस पार्टी आजकल जिस तरह धड़ाधड़ और कड़े फैसले ले रही है, उसकी जरूरत उसे बहुत पहले से थी। राजनीति का एक सीधा नियम है – जो नेता वक्त की चाल को नहीं समझ पाता, वो धीरे-धीरे पीछे छूट जाता है। हाल के दिनों में कांग्रेस आलाकमान ने जो फैसले लिए हैं, उसने यह साफ कर दिया है कि अब पार्टी में कोई भी नेता संगठन से बड़ा नहीं है। यह बदलाव कांग्रेस के उन आम कार्यकर्ताओं के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी है, जो जमीन पर रहकर दिन-रात मेहनत करते हैं। एक पुराना दौर था जब कांग्रेस में फैसले लेने में बहुत देर लगाई जाती थी। बड़े नेताओं की जिद के आगे आलाकमान को झुकना पड़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। राजस्थान का उदाहरण सबके सामने है, पार्टी कभी अशोक गहलोत को राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा सबसे बड़ा और सम्मानजनक पद देना चाहती थी। लेकिन उस समय उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने का मन नहीं था। उन्होंने वक्त की मांग को नहीं समझा। नतीजा यह हुआ कि समय बदला और आज उन्हें संगठन में एक महासचिव बनने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। राजनीति का यही दस्तूर है – जो समय की कद्र नहीं करता, समय उसकी कद्र नहीं करता। अशोक गहलोत और कमलनाथ जैसे पुराने नेताओं के लिए यह संभल जाने का आखिरी मौका है। इन बड़े नेताओं को अब यह बात समझ लेनी चाहिए कि अपनी जिद छोड़कर नई पीढ़ी को आगे बढ़ाना ही असली समझदारी है। दूसरी तरफ, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैय्या ने पूरे देश के नेताओं के सामने एक बहुत सुंदर मिसाल पेश की है, उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को को गले लगा कर आशीर्वाद दिया और एलान किया कि अगले मुख्यमंत्री होंगे, ये होता है पार्टी के लिए अनुशासन आज वे सिर्फ अपने राज्य के नहीं, बल्कि पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के चहेते नेता बन गए हैं। जब भी पार्टी पर कोई मुश्किल आई या आलाकमान ने कोई कड़ा फैसला सुनाया, सिद्धरमैय्या ने हमेशा पार्टी की बात को ऊपर रखा। उन्होंने अपनी निजी इच्छाओं को किनारे रखकर संगठन को मजबूत करने का काम किया। यही वजह है कि आज पूरी पार्टी में उनका मान-सम्मान बहुत बढ़ गया है। उत्तर भारत के कांग्रेस नेताओं को इस बात से बहुत कुछ सीखना चाहिए। सच कहें तो दक्षिण भारत की राजनीति ने उत्तर के नेताओं को हमेशा एक नया आईना दिखाया है। इतिहास गवाह है कि जब भी कांग्रेस पार्टी पर कोई बड़ा संकट आया है, दक्षिण भारत ने हमेशा उसे सहारा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जमाने से लेकर आज के दौर तक, दक्षिण के नेताओं ने पार्टी को मुश्किल दिनों से निकाला है। आज मल्लिकार्जुन खड़गे और सिद्धरमैय्या जैसे नेता जिस तरह सूझबूझ से काम कर रहे हैं, वह उत्तर भारत के बड़े-बड़े क्षत्रपों के लिए एक बड़ा सबक है। कांग्रेस का यह नया रूप बता रहा है कि अब सिर्फ पुरानी साख या बड़े नाम के भरोसे मलाईदार पद मिलने के दिन चले गए हैं। अब पार्टी में उसी को तवज्जो मिलेगी जो जमीन पर पसीना बहाएगा और अनुशासन में रहेगा। यह बदलाव पार्टी के उन लाखों कार्यकर्ताओं में नई जान फूंक रहा है जो सालों से बिना किसी स्वार्थ के झंडा उठा रहे हैं। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की जोड़ी ने यह साफ संदेश दे दिया है कि अब कड़े फैसले लेने में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इस बदलते हुए दौर की कांग्रेस में अब भावुकता की जगह काम को देखा जा रहा है। पुरानी वफादारी का सम्मान जरूर है, लेकिन पार्टी को कमजोर करने की छूट अब किसी को नहीं मिलेगी। समय रहते अगर पुराने और वरिष्ठ नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर लें, तो इसी में उनका सम्मान बचा रहेगा और इसी में कांग्रेस पार्टी का फायदा भी है।

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था। वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे? संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

नीट परीक्षा में सेना की सहायता: सरकार विफल क्यों रही

– सनत जैन

देश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल नीट को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पिछले तीन वर्षों से नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आती रही है। इसमें लाखों परीक्षार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताएँ और लाखों छात्रों के भविष्य पर मंडराते संकट के बीच अब सरकार सेना और वायुसेना की सहायता लेने की खबर आई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और नीट परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और निगरानी के लिए सरकार सैन्य संसाधनों का उपयोग करने जा रही है। इसके पहले कभी भी सेना का उपयोग इस तरह से नहीं हुआ है। पिछले 75 वर्षों के इतिहास में जब कानून व्यवस्था की स्थिति में बहुत जरूरत होने पर ही सेना को कुछ समय के लिए तैनात किया जाता है। पहली बार परीक्षा मे सेना और वायु सेना का उपयोग होने की बात सामने आ रही है। यह निर्णय दो तरह के प्रश्न खड़े करता है। पहला, क्या सरकार की नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र बार-बार लीक हो रहे हैं, उसकी गंभीरता और समस्या से निपटने के लिए लिया गया है? दूसरा, क्या यह सरकार ने मान लिया है संबंधित मंत्रालय और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था, प्रशासन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल है? सरकार और उसके समर्थकों का तर्क है, लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य की रक्षा के लिए सेना की मदद ली जा रही है, इसमें गलत क्या है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के परीक्षा परिणाम को लेकर भी लाखों छात्रों का भविष्य अंधकार में हो गया है। सरकार शायद इस बात से घबरा गई है कि नीट पेपर लीक और सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर लाखों छात्र सड़क पर उतरकर अपना विरोध जाता रहे हैं। इस विरोध को दबाने के लिए तथा परीक्षार्थियों का विश्वास बना रहे। हाल के वर्षों में पेपर लीक और संगठित नकल गिरोहों ने परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को लगभग समाप्त कर दिया है। इस स्थिति में छात्रों और युवाओं के विरोध को नियंत्रित करने के लिए सरकार सेना की विश्वसनीयता का सहारा लेकर इस विवाद को शांत करने की कोशिश कर रही है। छात्रों और अभिभावकों का मानना है, परीक्षा आयोजित करने की जिन्हें जिम्मेदारी दी गई है उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने के कारण तथा प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से

चयनित कर करोड़ों रुपए की कमाई करने का यह नया धंधा शुरू हो गया है और यह सरकार की मिलीभगत से ही संभव हो पा रहा है। इसलिए छात्रों और अभिभावकों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर यह सवाल भी उठने लगा है कि जब परीक्षा तक सरकार नहीं करा पा रही है, और दावे किए जा रही, अब इसको लेकर सरकार की आलोचना बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है। सेना का काम सीमाओं की सुरक्षा करना है। नाकि प्रश्नपत्रों की ढुलाई करना तथा पेपर लीक होने से रोकना है। देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा कराने वाली संस्थाएँ इतनी कमजोर हैं अथवा वह भ्रष्ट हो चुकी हैं। परीक्षा संचालन के लिए सैन्य सहायता, प्रशासनिक असफलता का सबसे बड़ा प्रतीक भी माना जा रहा है। शिवसेना नेता संजय राउत ने इसे गवर्नेंस फेल्योर तथा भ्रष्ट व्यवस्था निरूपित किया है। असल समस्या केवल प्रश्नपत्र लीक की नहीं है। पूरी परीक्षा प्रणाली भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। नीट परीक्षा के माध्यम से हर साल कोचिंग सेंटर और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था द्वारा करोड़ों रुपए की भ्रष्टाचार और मिलीभगत के कई कहानियां सामने आ चुकी है। जिसमें चयन के लिए लाखों रुपए लेकर एम्स और सरकारी अस्पतालों में प्रवेश दिया गया है। इसी तरह से अन्य परीक्षाओं में भी लाखों करोड़ों रुपए लेकर उन लोगों का चयन किया जाता है जो पैसा देने में सक्षम होते हैं। इस काम में राजनीतिक हस्तक्षेप तथा जिन लोगों को यह काम सोपा गया है उन्हें प्राथमिकता और साक्षमता के अनुसार काम न देकर ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी गई है जो इस भ्रष्ट तंत्र को संरक्षित करने का काम करते हैं। नेशनल टेस्ट एजेंसी की स्थापना पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम परीक्षा प्रणाली के लिए की गई थी। पिछले वर्षों में लगातार विवादों और लाखों रुपए की अवैध वसूली से नेशनल टेस्ट एजेंसी की साख को भारी नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है, केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था, कमजोर निगरानी, निजी एजेंसियों पर निर्भरता कोचिंग संस्थाओं के साथ मिली भगत और जवाबदेही तय नहीं होने से यह संकट इतना बढ़ गया है। सेना की सहायता लेकर अपना विश्वास आम जनता के बीच में बनाना पड़ रहा है। इस पूरे विवाद का सबसे दुखद पहलू यह है, इसका बोझ छात्रों पर पड़ रहा है। दक्षिण के राज्य लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। नीट परीक्षा में केंद्रीयकृत भ्रष्टाचार होने का आरोप लगने लगा है। लाखों युवा वर्षों तक तैयारी करते हैं। परिवार कर्ज लेते हैं। मानसिक तनाव झेलते हैं। अंत में परीक्षा में गड़बड़ी कर अयोग्य छात्रों का प्रवेश सरकारी मेडिकल कॉलेज और एम्स में हो जाता है। यहां पर नाम मात्र की फीस लगती है। निजी मेडिकल कॉलेज की लाखों रुपए प्रतिवर्ष की फीस होती है। जिसके कारण नीट परीक्षा में हर साल करोड़ों रुपए के अवैध लेनदेन का आरोप लगने लगा है। यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को लेकर आमजनों में रोष देखने को मिल रहा है। सरकार यदि सेना की सहायता लेकर परीक्षा को सुरक्षित कराने में सफल भी हो जाती है, तब भी यह स्थायी समाधान नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब ऐसी व्यवस्था बने जिसमें पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा, जवाबदेही और संस्थागत क्षमता मजबूत हो। लोकतंत्र में संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता और उनकी निष्पक्षता विश्वसनीय होती है। सेना की सहायता लेना सरकार और प्रशासन की असफलता का प्रतीक है प्रशासनिक कार्यों में यदि इस तरह से सेना का उपयोग होगा इससे सेना का हस्तक्षेप नागरिक प्रशासन पर बढ़ेगा। जिस तरह के हालात पाकिस्तान में है, ठीक उसी तरह के हालात भारत में भी हो सकते हैं। इस ओर सरकार तथा न्यायपालिका को ध्यान देने की जरूरत है।

क्या आम आदमी विकास से पीछे छूट रहा है?

– ललित गर्ग

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है। दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ

निकोटीन का नया जाल: युवाओं की नसों में घुलता जहर

योगेश कुमार गोयल

तंबाकू मानव स्वास्थ्य का ऐसा मौन शत्रु है, जिसकी विनाशकारी शक्ति को लेकर अब किसी प्रकार का संशय शेष नहीं रह गया है। पिछले कई दशकों में विश्वभर में हुए हजारों वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह निर्विवाद रूप से सिद्ध किया है कि धूम्रपान अथवा किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन शरीर के लिए घातक है। इसके बावजूद जब कम उम्र के किशोरों और युवाओं को सिगरेट, बीड़ी, ई-सिगरेट, गुटखा, पान मसाला अथवा अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखा जाता है तो यह केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक चेतना का भी गंभीर संकट प्रतीत होता है। वास्तव में किशोरों के मन में तंबाकू को लेकर अनेक भ्रम घर कर जाते हैं। उन्हें लगता है कि धूम्रपान से तनाव कम होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, मन शांत रहता है या फिर यह आधुनिकता और परिपक्वता का प्रतीक है। विज्ञापनों, फिल्मों, सोशल मीडिया और मित्र समूहों के प्रभाव से यह भ्रम और भी गहरा हो जाता है जबकि वैज्ञानिक सत्य इससे बिल्कुल विपरीत है। तंबाकू न तो शक्ति देता है, न व्यक्तित्व निखारता है और न ही तनाव का स्थायी समाधान है। सच्चाई यह है कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो शरीर के भीतर चुपचाप अपना विनाशकारी प्रभाव छोड़ता रहता है। यह कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों, स्ट्रोक और अनेक घातक रोगों को जन्म देकर व्यक्ति को धीरे-धीरे मृत्यु की ओर धकेलता है। इसलिए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता आज केवल स्वास्थ्य नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। लोगों को तंबाकू को छोड़ने और इसे कभी हाथ नहीं लगाने के लिए, जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष विश्वभर में 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है, जो दुनियाभर में प्रतिवर्ष लाखों मौतों का कारण बनता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस 'आकर्षण का

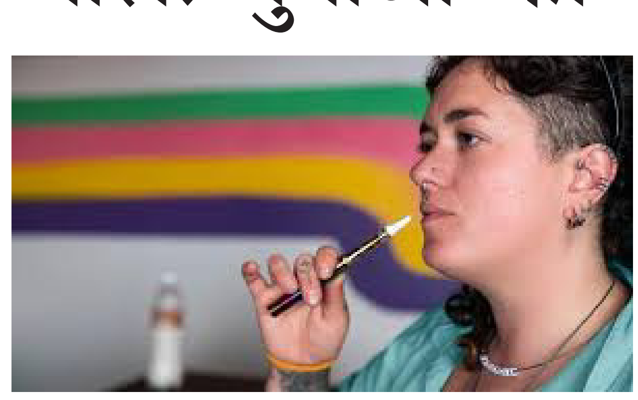

पर्दाफाश: निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम निर्धारित करते समय तंबाकू उद्योग द्वारा युवाओं को टारगेट करते हुए बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर खास ध्यान दिया गया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इत्यादि के जरिये दुनियाभर में युवा तेजी से तंबाकू उत्पादों के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य और समाज कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियाभर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि अधिकांश देशों में 13-15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वैसे तो हुक्का, गुटखा, खैनी, जर्दा इत्यादि तमाम तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन इसका सबसे हानिकारक रूप है धूम्रपान, जो हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण 2019 में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं।

पार्टी ने योग्य, कर्मठ व्यक्ति को चेयरमैन बना कर दिया सकारात्मक संकेत - चहल

शाहाबाद मारकंडा, 31 मई (रूबी): ब्लॉक समिति के पूर्व वाईस चेयरमैन रिंकू चहल ने नवनियुक्त चेयरमैन सुभाष कलसाना के उनके हुडा स्थित निवास पर मुलाकात की। रिंकू चहल ने कहा कि पार्टी ने सुभाष कलसाना जैसे मेहनती, ईमानदार, कर्मठ व्यक्ति को इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर एक सकारात्मक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सुभाष कलसाना दिन-रात पार्टी की नीतियों का प्रचार एवं हल्के की जनता की सेवा में लगे हैं। सुभाष कलसाना की मेहनत का परिणाम है कि उन्हें चेयरमैन पद की अहम जिम्मेदारी मिली है।

प्रतिबंधित दवाइयां के जखीरा के मामले में कार्यवाही करते हुए मेडिकल स्टोर संचालक को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 31 मई (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए एंटी नारकोटिक्स सेल के द्वारा गत दिनों पकड़े गए

प्रतिबंधित दवाइयां के जखीरा की चेन लगातार बढ़ती जा रही है। टीम ने अब कार्रवाई करते हुए उस स्टोर संचालक को गिरफ्तार किया है जिसने प्रतिबंधित दवाइयां मेडिकल स्टोर संचालक को बेची थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए उतर प्रदेश के गाँव पढेड निवासी नसीम को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि आरोपी नसीम मुख्य स्त्रोत है। आरोपी नसीम ने प्रतिबंधित कैप्सूल उत्तर प्रदेश के चिलकाना के मदीना मेडिकल स्टोर संचालक अनस को दिए थे। टीम ने कार्रवाई करते हुए अनस को भी गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी अनस ने यह प्रतिबंधित दवाइयां यमुनानगर के टेही चट्टान निवासी रोहित व सूरज को बेची थी। टीम ने रोहित और सूरज को गिरफ्तार कर लिया था। इन दोनों आरोपियों ने यह प्रतिबंध कैप्सूल प्रोफेसर कॉलोनी निवासी सरबजीत को देनी थे, टीम ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया था। टीम ने इस मामले में अभी तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, लेकिन बड़ी बात यह है कि प्रतिबंधित दवाइयां का जखीरा कहीं ना कहीं मेडिकल स्टोर से चलता है और इस बार दो मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार किया जा चुका है। इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि आरोपी नसीम को 5 दिन के रिमांड पर लिया गया है बाकी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आरोपी नसीम से मामले में पूछताछ की जा रही है।

सोमनाथ धाम के लिए 8 जून को कुरुक्षेत्र से रवाना होगी विशेष ट्रेन : अनुभव मेहता

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

लाडवा, 31 मई (रामगोपाल): एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को गुजरात स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाने के उद्देश्य से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 8 जून को कुरुक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इस विशेष ट्रेन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे ।एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र लाभार्थी 06 जून तक सरल पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सरल हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस यात्रा के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें ।एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी हरियाणा का मूल निवासी हो तथा उसकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। यात्रा के दौरान सभी लाभार्थियों को अपना मेडिकल सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा। लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत जो वृद्ध जन पिछले 3 वर्ष के अंदर इस योजना का लाभ ले चुके हैं। वह इस योजना के तहत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर जाने के पात्र नहीं होंगे अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक नागरिक लघु सचिवालय के चतुर्थ तल स्थित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय (डीआईपीआरओ) में संपर्क कर सकते हैं।

दिनदहाड़े लूट के तीनों आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने तीनों की बाजार में निकाली परेड

बुजुर्ग महिला से माफी मांगते दिखे आरोपी

सफीदों,31 मई (एस.के.मित्तल): शहर में 23 मई को हुई बुजुर्ग महिला से लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सख्त संदेश देने के लिए आरोपियों को शहर के मुख्य बाजार में घुमाया और उनकी परेड निकाली। इतना ही नहीं, पुलिस तीनों आरोपियों को पीड़ित बुजुर्ग महिला के घर भी लेकर पहुंची, जहां महिला ने उनकी पहचान की। इस दौरान आरोपी महिला से माफी मांगते नजर आए, लेकिन महिला ने उन्हें जमकर फटकार लगाई। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सीआईए प्रभारी राधेश्याम और सिटी थाना प्रभारी राजकुमार राणा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि आरोपियों में से एक युवक पीड़िता का पड़ोसी ही निकला। गौरतलब है कि वार्ड नंबर 6 निवासी बुजुर्ग महिला कृष्णा अपने घर में बनी छोटी दुकान पर बैठी थी। तभी बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे। आरोपियों ने खुद को सर्फ बेचने वाला बताकर महिला को बातचीत में उलझाने की कोशिश की। जब महिला ने सामान लेने से मना किया, तो एक आरोपी ने अचानक उसकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया। इस अचानक हमले से महिला दर्द से तड़प उठी और कुछ समझ पाती, उससे पहले ही आरोपी उसके कानों से बालियां झपट कर फरार हो गए। इस दौरान महिला के कान बुरी तरह जख्मी हो गए और खून बहने लगा। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत सफीदों के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी थाना पुलिस और सीआईए टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पहले दो आरोपियों वार्ड नंबर 2 निवासी विकास और हाजियों वाला कुआं निवासी राहुल को गिरफ्तार किया। दोनों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया, जहां पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे हुए। इसी कड़ी में शनिवार को पुलिस ने तीसरे आरोपी सुनील निवासी सफीदों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ की टीम हुडा ग्राउंड सफीदों पहुंची, जहां आरोपी सुनील पुलिस को देखकर भागने लगा। भागते समय उसके पैर में चोट लग गई, जिसके बाद पुलिस ने उसे काबू कर गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को पकड़ने के बाद पुलिस ने उन्हें शहर के बाजार में घुमाकर परेड निकाली। इसके बाद आरोपियों को पीड़ित महिला के घर ले जाया गया, जहां महिला ने उनकी पहचान की। इस दौरान आरोपी महिला से माफी मांगते नजर आए, लेकिन महिला ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। थाना प्रभारी राजकुमार राणा ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। तीसरे आरोपी सुनील को अदालत में पेश करके रिमांड की मांग की जाएगी ताकि मामले की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कहीं ये आरोपी अन्य वारदातों में भी शामिल तो नहीं रहे हैं। इसके लिए उनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

आज 1 जून से पूरे हरियाणा में लागू होगी ऑनलाइन लाइसेंस प्रणाली : डॉ. दिलीप मिश्रा

औषधि पोर्टल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, प्रदेशभर से जुड़े आयुर्वेदिक मैन्युफैक्चरर्स व डिस्ट्रीब्यूटर्स ने लिया भाग

करनाल, 31 मई (संदीप रोहिला): आयुर्वेदिक ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन हरियाणा द्वारा एक दिवसीय औषधि पोर्टल ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से जुड़े आयुर्वेदिक मैन्युफैक्चरर्स व डिस्ट्रीब्यूटर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डायरेक्टर जनरल आयुष संजीव वर्मा (आईएएस) उपस्थित रहे। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में डॉ. दिलीप मिश्रा, लाइसेंसिंग अथॉरिटी आयुष हरियाणा तथा मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. मोहम्मद खालिद, लाइसेंसिंग अथॉरिटी यूनानी दिल्ली मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डायरेक्टर जनरल आयुष संजीव वर्मा ने भी प्रदेश भर से आए सभी मैन्युफैक्चरर्स को संबोधित किया। वहीं गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. दिलीप मिश्रा ने कहा कि औषधि पोर्टल पूरे हरियाणा में 1 जून से लागू होने जा रहा है। यह एक ऑनलाइन लाइसेंस प्रणाली है, जिससे आयुष विभाग से संबंधित लाइसेंस प्रक्रिया और अधिक सरल व पारदर्शी होगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी मैन्युफैक्चरर्स को एक स्थान पर एकत्रित कर भारत सरकार के विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद खालिद द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, ताकि सभी निर्माता इस प्रणाली को आसानी से समझ सकें और भविष्य में बिना किसी परेशानी के इसका लाभ उठा सकें ।उन्होंने कहा कि यह हरियाणा के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश के मैन्युफैक्चरर्स को ऑनलाइन प्रणाली की पूरी जानकारी और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जिससे वे अपने कार्य को और बेहतर तरीके से कर सकेंगे। वहीं आयुर्वेदिक ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन हरियाणा के अध्यक्ष अनूप भारद्वाज कश्यप ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग और आयुष क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए बेहद लाभकारी हैं तथा इससे कार्यप्रणाली को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने औषधि पोर्टल की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा और विशेषज्ञों से जुड़े अपने सवालों के जवाब भी प्राप्त किए।

श्री अरुट जी महाराज जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई

श्री अरोड़वंश सेवा सदन में प्रतिमा का किया गया अनावरण

रतिया,31 मई (अमन सेठी): श्री अरूट जी महाराज जी की जयंती शहर के फतेहाबाद रोड़ स्थित श्री अरोड़वंश सेवा सदन में धूमधाम से मनाई गई। इस कार्यक्रम मौके तामसपुरा से परम श्रद्धेय संत बाबा हंसदास जी महाराज जी के पावन सानिध्य में समारोह की शुरुआत की गई। इस मौके मुख्यातिथि के तौर पर रतिया विधायक जरनैल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा शामिल हुए व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान राजपाल ग्रोवर ने की। इस

अवसर पर श्री अरूट महाराज जी की प्रतिमा का अनावरण संत महापुरुष, गणमान्य सदस्यों द्वारा किया गया। इस मौके पर श्री अरोड़वंश महासभा एवं युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम मौके मंच संचालन सतपाल सेठी एवं रणजीत सिंह बिट्टू द्वारा किया गया। इस मौके पर महासचिव सतपाल सेठी द्वारा श्री अरोड़वंश महासभा की पिछले गतिविधियों के बारे अवगत करवाया। इस मौके श्री अरोड़वंश महासभा के प्रधान राजपाल ग्रोवर द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे संत महापुरुष, गणमान्य सदस्यों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि विधायक जरनैल सिंह ने श्री अरोड़वंश महासभा द्वारा समाज में किए जा रहे सेवा कार्य एवं समाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि श्री अरूट जी महाराज जी की विचारधारा एवं इतिहास बारे जानकारी देते हुए नमन किया। इस मौके पर विधायक द्वारा श्री अरोड़वंश सेवा सदन के लिए 32 लाख रू सहयोग राशि देने की घोषणा की। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि महासभा द्वारा श्री अरोड़वंश सेवा सदन के किए जा रहे निर्माण से एक समाज का ही नहीं, बल्कि सभी समाज को लाभ मिलेगा व इसलिए हम सबको बढ़ चढ़ कर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर प्रकाश मोंगा, अजाद सचदेवा, मुकंद लाल सेठी, बृज लाल ग्रोवर, मदन डोडा, मोहनलाल ग्रोवर, हरजीत अरोड़ा, सुभाष सचदेवा, एडवोकेट दविंद्र ग्रोवर, राजेंद्र सिंह ग्रोवर, अवतार धींगड़ा, राम मोंगा, खेमचंद मोंगा, सुरेश झांब, कपिल अरोड़ा, रणजीत सिंह बिट्ठू, हैप्पी सिंह सेठी, सतीश सेठी, डा पीयूष अरोड़ा, नरेश कक्कड़, राजकुमार मोंगा, बिल्लू लाली, हरिचंद ग्रोवर, राजेंद्र सेठी, तोताराम सेठी, डॉ. बहाल अरोड़ा, दर्शन मोंगा, प्रेम सेठी, राकेश बाघापुराना, सुरेश सेठी, मोहन चिलाना, सतपाल जिंदल प्रमोद बंसल, डा नैब सिंह मंडेर, विक्की सेठी, दीपगगन मोंगा, गुरदास सेठी, आदर्श ग्रोवर, ओमप्रकाश मोंगा, कृष्ण मोंगा, शेखर ग्रोवर, अमन सेठी, रवि सेठी, आरूष ग्रोवर, सुमित ग्रोवर, राजेश सेठी सहित सैकड़ों युवा एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पी.ओ. स्टाफ की टीम ने एक भगोड़े आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 31 मई (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस द्वारा भगोड़े आरोपियों और बेल जंपर्स की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के दिशा-निर्देशों पर कार्य करते हुए पी.ओ. स्टाफ की टीम ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश कर दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पी.ओ. स्टाफ के इंचार्ज निरीक्षक राजपाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें एएसआई अश्विनी, मुख्य सिपाही संदीप, महावीर व महिला मुख्य सिपाही सरस्वती को शामिल किया गया। टीम ने संयुक्त प्रयास से एक भगोड़े आरोपी सुनील कुमार उर्फ बॉडी पुत्र मनफूल गांव दयालगढ़ को गुप्त सूचना के आधार पर सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। आरोपी एक आपराधिक मामले में संलिप्त था और न्यायालय में पेश न होने के कारण उन्हें माननीय अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। आरोपी सुनील कुमार पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था, लेकिन टीम की सतर्कता और प्रयासों के चलते उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने टीम के इस कार्य की सराहना की है और कहा है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा, जिससे कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने राहगीरों को पिलाया जल

सफीदों,31 मई (एस.के.मित्तल): राजकीय महाविद्यालय, सफीदों में एनएसएस इकाई द्वारा जल सेवा हेतु छबील लगाई गई। इस कार्यक्रम

की अध्यक्षता उप प्राचार्या डॉ. सरला सहरावत ने की। कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शंकर शर्मा ने किया। छबील में एनएसएस स्वयंसेवकों ने आने जाने वाले राहगीरों को भीषण गर्मी में ठंडे मीठा जल पिलाकर तृप्त किया। लोगों ने स्वयंसेवकों के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रसंसा की। अपने संबोधन में डा. सरला सहरावत ने एनएसएस के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य विद्यार्थियों में सेवा भाव, सहयोग एवं सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर मंजू, बलविंद्र सिंह, मनीष, गौरव, धीरज, विकास व वंश विशेष रूप से मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

शाहाबाद मारकंडा, 31 मई (रूबी): भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष सुपार्शव जैन के गणपति कॉलोनी स्थित कार्यालय पर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। पूर्व न.पा. प्रधान बलदेवराज चावला, बलदेवराज सेठी, जतिन पोपली, रिभव सागर, आरडी गुप्ता, लाभ सिंह, डा. नरेश, सुरेश गौड़ सहित भाजपा कार्यकर्ताओं

ने कार्यक्रम को सुना। पूर्व नपा प्रधान बलदेवराज चावला एवं मंडल अध्यक्ष सुपार्शव जैन ने बताया कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ अभियान, स्वच्छता, डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के विषय में प्रेरित किया। प्रधानमंत्री ने युवाओं से नए स्टार्टअप और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढने् का आह्वान किया। उन्होंने किसानों द्वारा अपनाई जा रही आधुनिक खेती और प्राकृतिक कृषि की भी सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते दिनों मुझे यूरोप के नीदरलैंड जाने का अवसर मिला। वहां कई बैठकों में शामिल हुए इसी दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। नीदरलैंड में आयोजित एक विशेष समारोह में चोला काल की प्राचीन ताम्र पट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गईं। इनमें 21 बड़ी और 3 छोटी ताम्र पट्टिकाए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ताम्र पट्टिकाएं मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोला प्रथम द्वारा अपने पिता राजा राज राजा चौला के एक वचन को पूरा करने से जुड़ी है। बलदेवराज चावला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में जल संरक्षण और पक्षियों व पशुओं के लिए पानी रखने की अपील भी देशवासियों से की। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने फिट इंडिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देते हुए युवाओं को खेलों में बढ़-चढक़र भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश को नई दिशा देने वाला मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र व संस्कृति के लिए किया समर्पित : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष

घरौंडा, 31 मई (नरेन्द्र लाठर): हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने आज देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर गांव सदरपुर, रसूलपुर कलां और घरौंडा के वार्ड नंबर 1 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने देवी अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने उपस्थित जनों को देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती की शुभकामनाएं दी और उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

अहिल्याबाई होलकर : संघर्ष और सशक्तिकरण की मिसाल – विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कहा कि देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र व संस्कृति के लिए समर्पित किया।उन्होंने बेहद कठिन समय में, जब देश बाहरी आक्रमणों और कुरीतियों से जूझ रहा था, समाज और संस्कृति को बचाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने सती प्रथा जैसी कुरीतियों को त्यागकर शिक्षा और शासन की जिम्मेदारी संभाली और सोमनाथ मंदिर जैसी सांस्कृतिक विरासत का पुनरुद्धार कर राष्ट्र की संस्कृति को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि भारत सोने की चिड़िया थी। पहले मुगलों और अंग्रेजों ने भारत को खूब लूटा व इतिहास से महापुरूषों का नाम हटाकर संस्कृति को खत्म करने का काम किया। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने महापुरुषों के जीवन को आत्मसात कर समाज व देश की तरक्की में सकारात्मक योगदान दें।

महापुरुष किसी एक जाति के नहीं, पूरे समाज के होते हैं – हरविंदर कल्याण ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सभी महापुरुषों की जयंतियां सरकारी स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को जातियों के बंधन से ऊपर उठाकर एक सूत्र में पिरोना है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक विशेष वर्ग या जाति के नहीं होते, बल्कि उनके विचार पूरी मानवता की धरोहर होते हैं। जब 36 बिरादरी मिलकर ऐसे कार्यक्रम मनाती है, तो समाज की एकता और अधिक मजबूत होती है।

युवाओं को सेवा भाव और मेहनत का दिया संदेश – विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी और बच्चों को महापुरुषों के विचारों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारी तरक्की केवल खुद तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हमें अपने आसपास कमजोर या गरीब को भी देखना चाहिए और उनके हित के कार्य करना चाहिए। उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे साधारण और गरीब परिवारों से निकलकर इन विभूतियों ने मेहनत और ईमानदारी के बल पर देश के सर्वोच्च पदों को सुशोभित किया।

विकास की राह पर अग्रसर हरियाणा – इलाके के विकास का जिक्र करते हुए कल्याण ने बताया कि करनाल में मेडिकल यूनिवर्सिटी और रिंग रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिनका उद्घाटन इसी वर्ष कर दिया जाएगा। पिछले दस वर्षों में हल्के में 80 से ज्यादा सडक़ों का नवीनकरण, 40 से ज्यादा पुलों का निर्माण, सामुदायिक केंद्रों को निर्माण व 16 से भी ज्यादा स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी का दर्जा दिलवाने सहित अनेक विकास कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज नौकरियों में पर्ची-खर्ची का सिस्टम खत्म हो चुका है और केवल मेरिट के आधार पर गरीब परिवारों के बच्चों को रोजगार मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार के नेतृत्व में आज योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें और एक ऐसा वातावरण तैयार करें जहाँ शिक्षा और मेहनत को प्राथमिकता मिले।घरौंडा के वार्ड नंबर 1 में भट्ठा कॉलोनी वासियों की मांग पर विधानसभा अध्यक्ष ने वार्ड वासियों को आश्वस्त किया कि चौपाल निर्माण के कार्य में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। चौपाल के ऊपरी तल पर सर्व समाज के बच्चों के लिए एक लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम में इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मार्केट कमेटी चेयरमेन राजकुमार पासवान, निर्मल बैरागी, जिला परिषद प्रतिनिधि धीरज खरकाली, हरीश चोपड़ा, ईशा चोपड़ा, दीपांशु चोपड़ा, मार्केट कमेटी चेयरमैन शिवनाथ कपूर, डॉ. चरण सिंह, बलराज कश्यप, रतन सैनी, सरपंच कृष्ण मिरगैन, मेवा सिंह, पाला राम, करतार सिंह, संगनीत आहूजा, सरपंच तुलसीदास, मंडल अध्यक्ष नरेश कुमार, अमित कालड़ा, शक्ति प्रमुख, रामचंद्र, लखविंदर, कर्ण सिंह, रामनाथ, मांगे राम, कमलजीत, तिलकराज, पार्षद जय नारायण, बलजीत पाल, संजीव पाल, रवि पाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दवा कंपनी में सेल्समैन का काम करने वाले युवक विकास की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उत्तरप्रदेश के बरेली जिले का रहने वाला था युवक, विकासनगर में किराए के मकान में रह रहा था

लाडवा, 31 मई (रामगोपाल): कस्बे के विकासनगर में किराए के मकान में रहने वाले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव रस्सी द्वारा फंदे से लटका मिला। युवक की पहचान विकास कुमार 25 वर्ष निवासी आबूपुरा जिला बरेली उत्तरप्रदेश के रूप मे हुई है। युवक दवा कंपनी में सेल्समैन का काम करता था और लाडवा के विकासनगर में किराए के मकान में अकेला रहता था। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मकान मालिक संत लाल मिस्त्री ने बताया कि विकास एक दवा कंपनी में सेल्समैन का काम करता था और पिछले कुछ समय से उसके मकान में किराए पर रहता था। शुक्रवार को विकास ऊपर छत पर सोया था। शनिवार को विकास की कंपनी से कर्मचारियों ने फोन कर उन्हें बताया कि विकास फोन नही उठा रहा है। जब उसने छत पर जाकर देखा तो उसका बिस्तर ऊपर छत पर पड़ा हुआ है जबकि विकास छत पर नही है। शक होने पर जब कमरे का दरवाजा खोला गया तो विकास का शव रस्सी द्वारा पंखे पर लटका हुआ था। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और परिजनों को सूचित किया।

सुभाष की कार्यशाली से किसानों को मिलेगा लाभ : नरेश खेड़ा

शाहाबाद मारकंडा, 31 मई (रूबी): भाजपा ओ.बी.सी. मोर्चा धुराला

के मंडल अध्यक्ष नरेश खेड़ा ने कहा कि सुभाष कलसाना की हरियाणा राज्य कोऑपरेटिव कृषि एवं ग्रामीण डेवल्पमेंट बैंक के चेयरमैन की नियुक्ति उनकी मेहनत और संगठन के प्रति ईमानदारी का परिणाम है। नरेश ने कहा कि यह नियुक्ति प्रदेश सरकार का दूरदर्शी निर्णय है व सुभाष कलसाना की कार्यशैली का लैंडमॉर्गेज बैंक से संबंधित कर्मचारियों एवं किसानों को लाभ मिलेगा। नरेश खेड़ा ने सुभाष कलसाना की नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर में 58 लोगों की हुई जांच

जगाधरी, 31 मई (संजीव कुमार): राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की चन्द्रशेखर शाखा की ओर से सेक्टर-17 स्थित पार्क नंबर-एक में नि:शुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को दांतों एवं मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. ललित गर्ग व डॉ. प्रथम मित्तल ने लोगों की दंत जांच की। इस दौरान कुल 58 लोगों की जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों को दांतों और मसूड़ों की देखभाल, नियमित ब्रश करने की आदत, संतुलित आहार तथा दंत रोगों की रोकथाम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय-समय पर दंत परीक्षण करवाने से कई गंभीर समस्याओं का प्रारंभिक स्तर पर ही पता लगाया जा सकता है। जांच के दौरान जिन मरीजों में दंत संबंधी समस्याएं पाई गईं, उन्हें आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श दिया गया। साथ ही जरूरतमंद रोगियों को निशुल्क औषधियां भी वितरित की गईं। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और आमजन को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं सहज रूप से उपलब्ध कराते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सुनील जैरथ (शाखा कार्यवाह),विवेक वर्मा, हरीश, प्रमोद, हरिश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, जितेंद्र बंसल, नरेंद्र गुप्ता, रमन गुप्ता तथा सुंदरलाल (शाखा मुख्य शिक्षक) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री सोमनाथ जाने के लिए बीपीएल परिवारों के वरिष्ठ नागरिक 6 जून तक सरल पोर्टल पर करें आवेदन- डीआईपीआरओ

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत हरियाणा सरकार वरिष्ठ नागरिकों को करवा रही है श्री सोमनाथ की निशुल्क यात्रा

करनाल, 31 मई (प्रवीन कुमार): भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से देशभर में 11 जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2027 तक मनाए जा रहे 1000 वर्ष की गौरव गाथा, अटूट आस्था- 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेशभर के बीपीएल परिवारों के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को श्री सोमनाथ ज्योर्तिलिंग की धार्मिक यात्रा करवाने का निर्णय लिया गया है। इच्छुक श्रद्धालु यात्रा का लाभ उठाने के लिए 6 जून तक हरियाणा सरकार के सरल पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। श्रद्धालुओं को 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर स्पेशल ट्रेन में सीट मिलेगी। स्पेशल ट्रेन कुरूक्षेत्र से चलकर करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली आदि रेलवे स्टेशनों से होते हुए श्री सोमनाथ तक जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 8 जून को कुरुक्षेत्र रेलवे जंक्शन से स्पेशल ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर श्री सोमनाथ के लिए रवाना करेंगे।डीआईपीआरओ सत्यवान महिवाल ने स्पष्ट किया कि स्पेशल ट्रेन सहित धार्मिक स्थल पर किसी भी प्रकार का नशा जैसे धूम्रपान और तंबाकू, जर्दा आदि प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को केवल पंजीकरण कराने उपरांत ही स्पेशल ट्रेन में बैठने की अनुमति दी जाएगी। यदि कोई श्रद्धालु बिना किसी कंसेंट और रजिस्ट्रेशन के जबरदस्ती स्पेशल ट्रेन में चढ़ जाता है तो चेकिंग टीम द्वारा चेकिंग के दौरान उसके पास किसी प्रकार का दस्तावेज व पहचान पत्र न मिलने पर श्रद्धालु को बीच रास्ते में ही ट्रेन से उतार दिया जाएगा, जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई श्रद्धालु पंजीकरण करने और कंसेंट देने के उपरांत यात्रा पर नहीं जाता है तो सरकार द्वारा उसे यात्रा पर जाया हुआ मानकर अगले तीन साल तक उसे इस प्रकार की किसी भी यात्रा पर जाने का अवसर नहीं दिया जाएगा, जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगा। श्रद्धालु पंजीकरण करने उपरांत इसकी सूचना जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय करनाल में अवश्य दें।उन्होंने बताया कि यात्रा के लिए पंजीकरण करवाना अति अनिवार्य है। श्रद्धालुओं को सुरक्षा के दृष्टिगत श्री सोमनाथ यात्रा पर जाने से पहले अपनी मेडिकल हिस्ट्री के बारे में जानकारी भी साझा करनी होगी ताकि बाद में कोई परेशानी न आए। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे यात्रा के लिए अपना अधिकृत और योग्य चिकित्सक द्वारा प्रमाणित मेडिकल प्रमाण पत्र अवश्य लगाएं। इस योजना के तहत सरकार द्वारा तीर्थ यात्रियों के रहने, खाने और स्थानीय परिवहन की पूरी व्यवस्था अपने स्तर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के लिए आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है। उन्होंने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति हर तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है।

टैवलर वैन के माध्यम से गांव नैंसी, थांदडा, बचकी, शेरगढ़ में विधिक जागरुकता शिविरों का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र अध्यक्ष दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र सचिव नीतिका भारद्वाज के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण कुरुक्षेत्र द्वारा ट्रैवलर वैन के माध्यम से गांव नैंसी, थांदडा, बचकी, शेरगढ़ में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।पैनल अधिवक्ता अनिता सैनी एवं पीएलवी अमनप्रीत द्वारा ग्रामीणों को विभिन्न नालसा योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने नालसा (गरीबी उन्मूलन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन) योजना, 2015, नालसा (ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन फॉर ए ड्रग-फ्री इंडिया) योजना, 2025, नालसा (एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं) योजना, 2016, नालसा (वरिष्ठ नागरिकों को विधिक सेवाएं) योजना, 2016 तथा नालसा (आशा) - बाल विवाह उन्मूलन हेतु जागरूकता, सहयोग, सहायता एवं कार्रवाई योजना, 2025 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।ग्रामीणों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शुरू किए गए विशेष अभियान समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत), के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें लोक अदालतों के माध्यम से विवादों के त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निपटारे के लाभों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक मुक्त हरियाणा - हरित आज, सुरक्षित कल अभियान के बारे में भी जागरूकता फैलाते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, एकल उपयोग प्लास्टिक के कम प्रयोग तथा जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।इसके साथ ही विश्व तंबाकू निषेध दिवस के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला तथा अन्य तंबाकू उत्पादों का सेवन मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों तथा अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। तंबाकू की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार एवं समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है। ग्रामीणों को तंबाकू सेवन से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार एवं समाज में भी इस संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

देवराज कश्यप एक बार फिर बने लाडवा कश्यप सभा के प्रधान, राजेश उपप्रधान तथा नरेश कुमार बने कोषाध्यक्ष

लाडवा, 31 मई (रामगोपाल): हिनौरी चौंक स्थित एक धर्मकांटे पर कश्यप सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभा के सभी सदस्यों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से देवराज उर्फ

राजू कश्यप को उनके गत वर्ष में किए गए कार्यों को देखते हुए दोबारा प्रधान नियुक्त किया गया। सभा के सदस्यों द्वारा नवनियुक्त प्रधान राजू कश्यप को फूलमाला पहना व मुंह मीठा करवा बधाई दी गई। नवनियुक्त प्रधान राजू कश्यप ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी कश्यप सभा द्वारा सौंपी गई है वे उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वाह करेंगे। उन्होंने गत वर्ष सभा द्वारा किए गए कार्यों के बारे सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जो कार्य किसी कारणवश रह गए हैं उन्हें अब पूरा करवाया जाएगा। इस अवसर पर उपप्रधान राजेश कश्यप, नन्द लाल कश्यप, पाली राम कश्यप, सचिव विकास कश्यप, संरक्षक संजीव कश्यप, महासचिव सन्नी कश्यप, दीपक दुल्ली चन्द मन्त्री, अनूज, बलवंत, मुनीष सहसचिव, प्रदीप कश्यप, श्रवण कश्यप, विशाल, प्रवक्ता नरेश कश्यप कोषाध्यक्ष कर्मबीर आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार ने छोटे व्यापारियों के लिए 1 जून से एकमुश्त निपटान योजना 2026 को किया लागू : विश्राम कुमार मीणा

योजना के तहत शत प्रतिशत ब्याज व जुर्माना छूट का प्रावधान, कर की छूट के लिए बनाएं स्लैब

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने छोटे व्यापारियों के लिए 1 जून से 120 दिनों के लिए 28 सितंबर तक एकमुश्त निपटान योजना 2026 को लागू किया है। यह योजना सात कराधान अधिनियमों के तहत निर्धारित बकाया देय राशि के निपटान का प्रावधान करती है। ऐसे में किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत एक वर्ष में 1 लाख रुपये तक का कर बकाया है तो उसे इस स्कीम में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उसका उस वर्ष के लिए उस अधिनियम में संपूर्ण कर, ब्याज एवं जुर्माना राशि माफ हो जाएगी। आवेदक अपने बकाया देय राशि के निपटान के लिए किसी भी अधिनियम में किसी भी वर्ष के लिए आवेदन कर सकता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025 में छोटे व्यापारियों को लाभ देने के लिए शुरू की गई एकमुश्त निपटान स्कीम को व्यापारियों ने हाथों हाथ लिया और उसका 115223 व्यापारियों ने पुरजोर लाभ उठाया। इस स्कीम की अभूतपूर्व कामयाबी को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर निपटान स्कीम लाने का विचार किया है, जिसके द्वारा पुराने बकायों को निपटाया जा सके तथा अदालतों में लंबित मुकदमों का समाधान किया जा सके। जीएसटी में कम से कम बकाया राशियों के साथ आगे बढ़ाया जाए ताकि जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में अधिक से अधिक समय और ध्यान दिया जा सके। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि पूर्ववर्ती हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1973 के तहत बकाया राशि के निपटान के लिए विशेष छूट उपलब्ध है। हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1973 को 1 अप्रैल 2003 से हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2003 के लागू होने के साथ निरस्त कर दिया गया था। हरियाणा सामान्य बिक्री कर के तहत बकाया देय बहुत पुराने हैं, इसलिए 1 लाख से अधिक कर बकाया वाले सभी मामलों में 70 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।उन्होंने कहा कि फार्म सी, फार्म एफ, फार्म एच, फार्म ई1, फार्म ई2, टैक्स इनवॉइस/वैट सी-4, वैट डी 1, वैट डी2 आदि जैसे वैधानिक प्रपत्रों के न जमा करने के कारण बडी संख्या में बकाया राशि देय है। इन मामलों में से कुछ विभिन्न अपील स्तरों पर हैं। इन बकाया को विशेष रूप से लक्षित करने के लिए एक नई छूट प्रस्तावित की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति अब ऐसे प्रपत्र प्रस्तुत करने में सक्षम है, तो उसके कर की मांग उन प्रपत्रों के प्रस्तुत करने से प्राप्त होने वाली छूट की राशि से घटा कर कम कर दी जाएगी, बशर्ते ये प्रपत्र तीन महीने के भीतर सत्यापित हो जाएं। यह लाभ ऐसे फर्जी / नकली फर्मों को उपलब्ध नहीं होगा, जिनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की गई है। यह लाभ उन वैधानिक प्रपत्रों के लिए भी उपलब्ध नहीं होगा, जिन्हें पहले प्राधिकरणों द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था। यह केवल हरियाणा मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2003 और केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम 1956 से संबंधित बकाया राशि पर लागू होगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1973 के तहत प्रदान की गई कर छूट के तहत 1 रुपये से 1 लाख रुपये तक की श्रेणी 100 प्रतिशत कर, ब्याज तथा जुर्माना राशि पर छूट मिलेगी। अन्य श्रेणी में कर 70 प्रतिशत और ब्याज व जुर्माना 100 प्रतिशत राशि की छूट मिलेगी। इसके अलावा अन्य छह अधिनियमों के अधीन उपलब्ध छूट के तहत 1 रुपये से 1 लाख रुपये तक की श्रेणी में कर, ब्याज व जुर्माना की 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। एक लाख से अधिक से 10 लाख तक की श्रेणी में कर का 60 फीसदी, 10 लाख से अधिक से 1 करोड़ तक की श्रेणी में कर 50 प्रतिशत, 1 करोड़ से अधिक से 10 करोड़ तक की श्रेणी में कर 40 प्रतिशत, 10 करोड़ रुपये से 30 करोड़ तक की श्रेणी में कर 35 प्रतिशत, 30 करोड़ रुपये से 60 करोड़ तक की श्रेणी में कर 30 प्रतिशत और 60 करोड़ रुपये से अधिक की श्रेणी में कर की शून्य प्रतिशत छूट रहेगी, लेकिन इन सभी नियमों में ब्याज व जुर्माना राशि की 100 प्रतिशत छूट रहेगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि आवेदक को प्रत्येक पूर्ववर्ती स्लैब में दी गई छूट का पूर्ण लाभ उसके बकाया कर राशि की स्लैब तक मिलेगा।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा है एवरेस्ट पर चढ़ाई

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे 'अंतर्राष्ट्रीय सागरमाथा दिवस' के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे सही मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिंग शेरपा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बर्फीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रों का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बर्फीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं। माउंट एवरेस्ट को फतह करना पर्वतारोहियों के लिए जहां रहस्य और रोमांच से भरपूर होता है, वहीं दीगर सच यह भी है कि यह एक ऐसा सफर है, जहां मौत हर कदम पर बाहें फैलाए खड़ी रहती है और इस सफर के लिए फौलाद जैसे कलेजे की जरूरत होती है। बस मामूली सी चूक हुई और जिंदगी खत्म। हिमालय पर इस सबसे ऊंचे शिखर का पता 1852 में लगा था। तब भारत में जॉर्ज एवरेस्ट गवर्नर जनरल थे और इस शिखर का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया गया। 1921 में पहली बार माउंट एवरेस्ट का रास्ता खोजा गया और तभी से एवरेस्ट फतह करने के प्रयास निरन्तर किए जाते रहे हैं। 1922 में जॉर्ज मैलोरी, एडवर्ड नॉर्टन तथा हॉवर्ड सोमेरवेल ने पहली बार एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया और वे 8 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने में सफल भी हुए। 1924 में जॉर्ज मैलोरी तथा एंड्रू इरविन ने एवरेस्ट पर चढ़ाई का प्रयास किया किन्तु दोनों ही बर्फीले पहाड़ों में कहीं रहस्यमयी तरीके से गायब हो गए। 29 मई 1953 को पहली बार जब न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे ने एवरेस्ट को फतेह किया तो पूरी दुनिया में खलबली मच गई क्योंकि उससे पहले भी इसकी कोशिशें तो बहुत हुई किन्तु सफल कोई नहीं हुआ। पृथ्वी की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट तक पहुंचने के लिए पर्वतारोहियों को अनेक तरह की बाधाओं को पार करना पड़ता है। करीब 8848 मीटर ऊंचे इस शिखर की खड़ी चढ़ाई के दौरान रास्ते में कई ऐसे दर्रे आते हैं, जिनमें से कुछ की गहराई तो करीब 300-400 फुट है और ऐसे दर्रों को प्रायः सीढ़ियां जोड़कर पार किया जाता है, जो बेहद डरावना और मुश्किलों से भरा काम है क्योंकि इन दर्रों के बीच जो भी चीज गिरी, वो कभी वापस नहीं लौट सकती। वैसे भी एक बार अगर इन दर्रों को पार करके निकल भी गए तो लौटते समय पुनः इन्हीं दरारों को पार करना पड़ता है। यह चढ़ाई इतनी खतरनाक होती है कि हवा के एक तेज झोंके के साथ ही पर्वतारोही संतुलन खोकर गहरी खाई में दफन हो सकता है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

डांट के बाद बच्चों से व्यवहार रिश्तों को टूटने से बचाएं

बच्चों को डांटना या अनुशासन सिखाना माता-पिता के लिए एक सामान्य और कई बार आवश्यक प्रक्रिया है। यह बच्चों को सही-गलत का फर्क समझने, जिम्मेदारी सीखने और सीमाओं को जानने में मदद करता है। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि बच्चों को डांटने के बाद माता-पिता द्वारा की गई कुछ गलतियाँ उनके मन पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं और उनके साथ रिश्ते में दरार भी पैदा कर सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डांट के बाद की सबसे बड़ी गलती अक्सर माता-पिता का बच्चों से दूरी बना लेना या बातचीत बंद कर देना होता है। जब माता-पिता का गुस्सा शांत हो जाता है, तो वे कभी-कभी बच्चे से कट जाते हैं। बच्चे इस चुप्पी को नाराजगी, अस्वीकार या दंड के रूप में समझ सकते हैं। यह उनके मन में असुरक्षा, डर और यह भावना पैदा कर सकता है कि वे अपने माता-पिता के प्यार के हकदार नहीं हैं, जिससे रिश्ते में भावनात्मक दूरी बढ़ सकती है। डांट या किसी बहस के बाद बच्चे लंबी समझाइश या उपदेश नहीं चाहते, बल्कि उन्हें भावनात्मक सहारे और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में, माता-पिता का शांत होकर बच्चे के पास बैठना, उससे सामान्य तरीके से बात करना, या हल्का सा स्नेह दिखाना बच्चे को बेहद सुरक्षित और प्यार महसूस कराता है। यह उन्हें यह भरोसा दिलाता है कि भले ही उन्हें उनकी गलती के लिए डांटा गया हो, लेकिन उनके माता-पिता का प्यार अभी भी उनके साथ है। डांट के बाद बच्चे अक्सर शर्मिंदगी, डर, भ्रम या उलझन जैसी विभिन्न भावनाएं महसूस करते हैं। ऐसे में, इन भावनाओं को नजरअंदाज करने या उन्हें तुच्छ समझने के बजाय, उन्हें समझना और स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि बच्चे की गलती को सही ठहराया जाए, बल्कि यह बताया जाए कि ऐसी भावनाएं महसूस करना सामान्य है और माता-पिता उन्हें समझने के लिए तैयार हैं। यह बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का सुरक्षित माहौल प्रदान करता है। माता-पिता की शांत आवाज और नरम व्यवहार बच्चे के अशांत मन को जल्दी शांत करने में मदद करता है। यह बच्चे को अपनी गलती को बेहतर तरीके से समझने का अवसर देता है और उसके भीतर के तनाव को कम करता है। किसी भी डांट या अनुशासन के बाद, बातचीत का अंत हमेशा प्यार और अपनेपन के साथ होना चाहिए। एक सहज बातचीत, या बच्चे को गले लगाना उसके मन में यह अटूट भरोसा पैदा करता है कि माता-पिता का प्यार और समर्थन हमेशा उसके साथ रहेगा, भले ही उसने कोई गलती की हो। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर माता-पिता अपने बच्चों के साथ एक मजबूत और प्यार भरा रिश्ता बनाए रख सकते हैं।

इस कारण बच्चों को नहीं लगती भूख

बच्चों को खाना-खिलाना कोई आसान काम नहीं है। हर चीज को लेकर उनकी आना-कानी माता-पिता के लिए परेशानी बन जाती है क्योंकि वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि उनके लिए पोषण कितना ज्यादा जरूरी है। वहीं, बच्चे भूख न लगने की बात कहकर खाना टाल लेते हैं पर अगर बच्चा खाना नहीं खा रहा तो इसके पीछे कुछ कारण भी हो सकते हैं।

पेट के कीड़े

जब बच्चे के पेट में कीड़े होते हैं तो उन्हें भूख नहीं लगती। कई बार तो इससे दस्त, सूजन, कमजोरी और पोषण की कमी होने लगती है। इस बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

एनीमिया-शरीर में एनीमिया की कमी होने पर चिड़चिड़ापन,कमजोरी और थकान जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जिससे बच्चे का खाना खाने का मन नहीं करता। बच्चे के डांटने की बजाए उसके पोषण पर ध्यान दें।

कब्ज -पेट से जुड़ी परेशानियां भी भूख न लगने का कारण बनती हैं। कब्ज भी इसका संकेत है। पाचन क्रिया की गड़बड़ी के कारण पेट साफ नहीं हो सकता, जिससे बच्चा खाना नहीं खा पाता। जब आंत साफ होती है तो धीरे-धीरे बच्चे की भूख में भी सुधार आने लगता है।

अवसाद--अवसाद यानि तनाव का शिकार सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी हो जाते हैं। भूख न लगने का यह भी एक हिस्सा है। तनावग्रस्त बच्चों को भूख नहीं लगती।

दवाओं का सेवन-

बच्चा ज्यादादेर तक किसी प्रकार की दवाइयों का सेवन कर रहा हो तब भी उसे भूख नहीं लगती। एंटीबायोटिक से बच्चों में भूख की कमी हो सकती है। अगर दवाइयां बंद करने के बाद भी बच्चा भूख महसूस नहीं कर रहा हो डॉक्टरी जांच बहुत जरूरी है।

बच्चों को इस प्रकार बताएं अक्षर का देश से संबंध

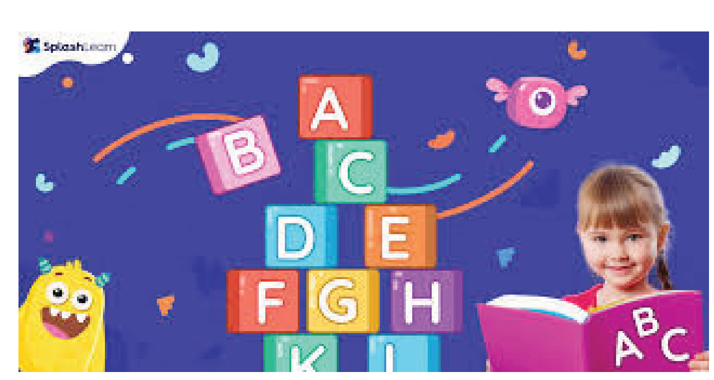

अभिभावक अपने बच्चों को इस बात की जानकारी दें कि ए से जेड तक हर अंग्रेज़ी अक्षर से कोई न कोई देश शुरू होता है। दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 195 देश हैं। हर देश का नाम अपने इतिहास, संस्कृति और भौगोलिक पहचान से जुड़ा होता है।

°– Australia (ऑस्ट्रेलिया)= यह कंगारुओं, क्रिकेट और खूबसूरत बीचों का देश है। यहां का सिडनी ओपेरा हाउस और ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

बी (ब्राजील)= यह देश फुटबॉल के जुनून, अमेजन जंगल और रियो डी जनेरियो के कार्निवल के लिए जाना जाता है।

सी (कनाडा)= यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो अपनी बर्फीली झीलों और शांत जीवनशैली के लिए मशहूर है।

डी ङ्क डेनमार्क)= यह यूरोप के सबसे खुशहाल देशों में से एक है, जहां स्वच्छता और जीवन की गुणवत्ता सबसे बेहतरीन मानी जाती है।

ई मिस्र= यह देश पिरामिड, दुनिया की सबसे लंबी नील नदी और फैरोस की रहस्यमयी सभ्यता का प्रतीक है.

एफ(फ्रांस)= यह प्यार, फैशन और एफिल टॉवर का देश है, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं।

जी जर्मनी= यह देश इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. वहीं, बर्लिन की ऐतिहासिक दीवार इसकी पहचान है.एच हंगरी हंगरी= यह यूरोप का एक सुंदर देश है, जिसकी राजधानी बुडापेस्ट अपनी नदी और पुलों के लिए जानी जाती है।

आई भारत= भारतअपनी संस्कृति, परंपरा और विविधता से भरा है, जहां हर 100 किलोमीटर पर भाषा और खानपान बदल जाता है।

जे (जापान यह देश टेक्नोलॉजी, अनुशासन और सुशी के लिए मशहूर है। यहां की 'बुलेट ट्रेन' और 'चेरी ब्लॉसम' दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

के केन्या अफ्रीका का यह देश, अपनी वाइल्डलाइफ सफारी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है.

एल- लाओस यह देश शांत, आध्यात्मिक और हरियाली से भरपूर दक्षिण-पूर्व एशिया का काफी सुंदर देश है।

एम मेक्सिको इसे टाकोस, म्यूजिक और रंगीन त्योहारों का देश कहा जाता है, जिसकी संस्कृति बेहद जीवंत है.

एन (नेपाल) दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत 'माउंट एवरेस्ट' यहीं मौजूद है। यहां की शांति और हिमालयी सौंदर्य दुनिया को आकर्षित करती है.

ओ ओमान= यह अरब देशों में सबसे शांतिपूर्ण और विकसित देश है, जिसकी परंपरा और अतिथि सत्कार अद्भुत है.

पी (पुर्तगाल)= यह देश अपने समुद्र तटों, ऐतिहासिक इमारतों और फुटबॉल के लिए मशहूर है.

क्यू कतर यह काफी तेजी से विकसित होता देश है, जिसने 2022 का फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित किया था।

आ रूस= यह दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप ङ्क दोनों में फैला हुआ है है.

एस ङ्कस्पेन यह देश फ्लैमिंगो डांस, टोमाटीना फेस्टिवल, बुल फाइटिंग, स्वादिष्ट खाना और फुटबॉल के जुनून के लिए जाना जाता है।

टी तुर्की यह देश एशिया और यूरोप के संगम पर स्थित है। यह देश अपनी मस्जिदों और ऐतिहासिक बाजारों के लिए भी जाना जाता है।

यू युगांडा= इसे अफ्रीका का 'मोती' कहा जाता है, जहां प्राकृतिक सुंदरता और जीव-जंतुओं की विविधता देखने लायक है।

वी यह देश युद्ध के इतिहास और हरे-भरे नजारों वाला देश है, जो अब पर्यटन के लिए तेजी से विकसित हो रहा है।

डब्लयू वेल्स (वेल्स)= यह देश यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है, जहां किले, पहाड़ और संगीत संस्कृति का अहम स्थान है।

एक्स इस अक्षर से कोई देश नहीं है। वाय यमन= यह देश दुनिया के नक्शे में मिडिल ईस्ट में मौजूद है, जिसकी ऐतिहासिक इमारतें और पुरानी सभ्यता बहुत प्रसिद्ध हैं.

जेड जाम्बियायह भी अफ्रीका महाद्वीप का एक सुंदर देश है, जहां का शानदार विक्टोरिया फॉल्स दुनिया भर के टूरिस्ट्स को आकर्षित करता है।

बच्चों को सुविधाभोगी छुईमुई नहीं बल्कि पराक्रमी बनाएं

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

दुनिया के सबसे ज्यादा बच्चे भारत में हैं लेकिन स्वास्थ्य के मामले में ये बच्चे काफी पिछड़ी हालत में हैं। देश के ज्यादातर शहरों के ज्यादातर पब्लिक स्कूलों में सुबह होने वाली प्रार्थना (प्रेयर असेंबली) अब स्थगित कर दी जाती है। कारण पता करने पर स्कूल प्रबंधन बताते हैं कि हर असेंबली में पांच छह से एक दर्जन से अधिक बच्चे प्रेयर के दौरान गश खाकर गिर जाते हैं। यह एक चिंता जनक तथ्य है और जिन्हें पहली बार पता चल रहा है वह अचरज कर सकते हैं लेकिन यह सच्चाई है। बच्चों खासकर शहरी बच्चों की शारीरिक सामर्थ्य बेहद कम हो रही है कुपोषण फास्टफूड पढ़ाई कोचिंग किताबों के बोझ से दबे बच्चे बचा समय मोबाइल में बिता रहे हैं और अपनी शारीरिक क्षमता को खो रहे हैं आउटडोर गेम से दूरी भी इस का एक बड़ा कारण है। ऐसे हालात में बच्चों को शारीरिक श्रम से जोड़ने की बेहद जरूरत है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हाल का एक बयान बेशक कुछ एसी कमरों में बैठ कर बालविकास की योजना बनाने वाले अंग्रेजीदा लोगों को चुभ सकता है लेकिन मुख्यमंत्री का असली ईशारा भविष्य के लिए संघर्ष और संस्कार से तप कर निकली युवा पीढ़ी देने का है। विचार कीजिए क्या हम अपनी आने वाली नस्लों की रगों में भारतीयता की जगह आलस्य और सुविधाभोगी कल्चर दे रहे हैं? जरा सोचिए—हड्डियों को कमजोर करने वाली सुख-सुविधाएं, एयर-कंडीशनर कमरों में सुलगती सुकुमार पीढ़ी और स्क्रीन पर रेंगती हुई बेजान उंगलियां... आज का हिंदुस्तान अपनी संतानों को शिक्षा नहीं, बल्कि चुनौतियों से पीठ दिखाकर भागने का एक धीमा जहर परोस रहा है! हमारी रीढ़ की हड्डी को इतना लचीला बना दिया गया है कि वह जिंदगी के पहले ही थपेड़े में कड़कड़ाकर टूट जाए। लेकिन इसी सन्नाटे को चीरती हुई जब देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री पदासीन योगी का संबोधन गूंजता है, तो दिल्ली से लेकर लखनऊ तक का मखमली पाखंड भरभराकर ढह जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गरजते हैं कि—जो शिक्षक बच्चों को धूप में तपना, मिट्टी से जूझना और श्रमदान की आग में जलना सिखाते हैं, उन पर उंगली उठाने की जुर्रत मत करना; उन्हें सूली पर नहीं, सम्मान के सर्वोच्च शिखर पर बैठाओ!—तो यह महज़ कोई प्रशासनिक डांट नहीं है। यह सनातन भारत की छाती पर लगा एक ऐसा शॉक-ट्रीटमेंट है, जिसने सीधे हमारी सोई हुई रगों में खौलते खून को याद दिला दिया है। यह एक आधुनिक शासक की वह हुंकार है, जो इस देश के पाखंडी समाज और बिकाऊ कैमरे वालों को उनकी औकात बता रही है।इस दहाड़ के पीछे छिपे उस प्रचंड और आक्रामक आयाम को समझिए, जिसका सीधा नाता हमारे वेदों के वज्र और गुरुकुलों के रक्त-पसीने के इतिहास से है।आज की तथाकथित सॉफ्ट जनरेशन के मां-बाप बच्चे के हाथ में झाड़ू देखते ही छाती पीटने लगते हैं। कानून की धाराएं और बाल-अधिकारों के खोखले ढोंग लेकर थानों में कतारें लग जाती हैं। धिक्कार है ऐसी सोच पर! इतिहास गवाह है कि जिन बच्चों के हाथों में बचपन में छाले नहीं पड़ते, जवान होने पर उनके कंधों से राष्ट्र के बड़े दायित्व भी फिसल जाते हैं।जरा सनातन इतिहास के पन्नों को पलटिए और याद कीजिए महर्षि धौम्य के आश्रम के उस बालक आरुणि को। मूसलाधार बारिश हो रही थी, रात का घना अंधेरा था और कड़कती बिजली के बीच गुरु का एक आदेश आता है कि खेत की मेड़ टूट गई है, उसे बांधकर आओ। बालक आरुणि भागता हुआ खेत पर पहुंचता है, मिट्टी बह रही होती है। जब कोई उपाय नहीं सूझता, तो वह खुद उस ठंडे, बर्फीले पानी के बीच मेड़ की जगह लेट जाता है और पूरी रात अपनी छाती से पानी को रोके रखता है। सुबह जब गुरु उसे वहां जमा हुआ देखते हैं, तो उनकी आंखों से आंसू बह निकलते हैं। वह आरुणि को छाती से लगाकर कहते हैं कि आज से तुम केवल शिष्य नहीं, बल्कि अखंड ज्ञान के प्रतीक हो। क्या वह बाल-उत्पीड़न था? नहीं, वह निष्ठा और कठिन परिस्थितियों से लोहा लेने की वो पराकाष्ठा थी, जिसने एक साधारण बालक को उद्दालक जैसे महान ऋषि में बदल दिया। इसी उज्जयिनी के संदीपनि आश्रम को भी देखिए। भोर की उस कंपकंपाती ठंड में, एक तरफ पूरी धरती का स्वामी, यदुवंश का कुलदीपक—राजकुमार कृष्ण है, और दूसरी तरफ दरिद्र ब्राह्मण का बेटा सुदामा। दोनों के नंगे बदन पर पसीने की बूंदें जम चुकी हैं, कंधों पर भारी कुल्हाड़ी है और वे खूंखार जंगलों को चीरते हुए सूखी लकड़ियों के गट्ठर उठा रहे हैं। क्या वह गुरु द्वारा शिष्यों का शोषण था?नहीं! वह उस ऋषि परंपरा की धधकती हुई भट्ठी थी, जो जानती थी कि जब तक सोने को तपाया नहीं जाएगा, तब तक वह कुंदन नहीं बनेगा। वेद ज्ञान चिल्लाकर कहता है कि जिस शिक्षा में पसीना नहीं बहाता, जो शिक्षा तुम्हारे भीतर के मैं और अहंकार की चिता नहीं जला सकती, वह शिक्षा नहीं, बल्कि केवल पेट पालने का एक कसाईखाना है। योगी आदित्यनाथ इसी सनातन सत्य की ढाल बनकर खड़े हुए हैं। वे समाज को थप्पड़ मारकर जगा रहे हैं कि जिस देश के साक्षात ईश्वर ने गुरु के आंगन में गोबर उठाया हो, उस देश में स्कूल की माटी साफ करना गुनाह कैसे हो गया? यह हकीकत है कि शिक्षक की गोद में प्रलय और निर्माण दोनों पलते हैं..

आधुनिक संदर्भ में आपको बता दें कि अच्छा पोषण मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता, कम बीमारियाँ, बेहतर स्वास्थ्य और एक उत्पादक समाज का स्रोत है। भारत में, स्कूल जाने वाले अधिकांश बच्चे कुपोषण, विशेषकर अल्पपोषण से ग्रस्त हैं। यह समीक्षा भारत के विभिन्न क्षेत्रों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बच्चों में दुर्बलता, बौनापन, अधिक वजन और मोटापे की व्यापकता का पता लगाने के लिए की गई है। इस उद्देश्य के लिए, रिसर्च गेट, पबमेड, गूगल स्कॉलर, अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन जैसे विभिन्न स्रोतों और भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारों की वेबसाइटों जैसे विभिन्न एजेंसियों के सर्वेक्षणों का उपयोग करके तीस अध्ययनों की समीक्षा की गई।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : महापौर रेणु बाला गुप्ता

युवाओं को शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का किया आह्वान

करनाल,31 मई (सुमनलता): महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जनजागरण और सामूहिक प्रयास वर्तमान की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। महापौर रेणु बाला गुप्ता रविवार को करनाल स्थित भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता एवं पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम के दौरान नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों, समाज पर उसके पड़ने वाले गंभीर असर तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नशा मुक्ति विषय पर आधारित एक महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि भारत की संस्कृति सदैव स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण की प्रेरणा देती रही है। नशा मुक्ति का संदेश भी इसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है, जो समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि अभिभावक, शिक्षक, सामाजिक संगठन और प्रशासन मिलकर युवाओं को नशे के दुष्चक्र से बचाने के लिए प्रभावी वातावरण तैयार करें।उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे शिक्षा, खेल, साहित्य, सामाजिक सेवा और रचनात्मक गतिविधियों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। एक जागरूक, स्वस्थ और नशा मुक्त युवा ही सशक्त समाज तथा विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकता है। महापौर ने कार्यक्रम के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से नशा मुक्त और स्वस्थ समाज के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जा सकता है।

ये रहे उपस्थित – इस अवसर पर प्रोफेसर जोगिंदर मदान, डॉ. जेसी बठला, परिषद् अध्यक्ष सोनिया मेहता, सचिव सुमन अरोड़ा, महिला सहभागिता प्रमुख सोनिया हंस, राज बजाज सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

सोमनाथ धाम के लिए 8 जून को कुरुक्षेत्र से रवाना होगी विशेष ट्रेन : अमन कुमार

कुरुक्षेत्र, 31 मई (करणदीप सिह): एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को गुजरात स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाने के उद्देश्य से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 8 जून को कुरुक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इस विशेष ट्रेन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र लाभार्थी 06 जून तक सरल पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सरल हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस यात्रा के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें। एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी हरियाणा का मूल निवासी हो तथा उसकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए।

मानवता और सेवा भाव का मार्ग प्रशस्त करता है गुरबाणी का संदेश : महापौर

गुरु नानक हॉस्पिटल में श्री सुखमनी साहिब के पाठ में शामिल हुईं महापौर, संत बाबा गुरमीत सिंह से लिया आशीर्वाद

करनाल,31 मई (सोनी दुआ): महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि गुरबाणी का संदेश मानवता, प्रेम, विनम्रता और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करता है। श्री सुखमनी साहिब का पावन पाठ व्यक्ति के जीवन में शांति, सकारात्मकता, आध्यात्मिक ऊर्जा तथा सेवा भावना का संचार करता है, जिससे समाज में सद्भाव और भाईचारे को नई मजबूती मिलती है। महापौर रेणु बाला गुप्ता रविवार को करनाल स्थित गुरु नानक हॉस्पिटल में आयोजित श्री सुखमनी साहिब जी के पावन पाठ में सम्मिलित होने के उपरांत अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धापूर्वक संत बाबा गुरमीत सिंह के श्रीचरणों में माथा टेककर उनका पावन आशीर्वाद प्राप्त किया तथा संगत के साथ गुरबाणी का रसास्वादन किया। महापौर ने कहा कि श्री सुखमनी साहिब का पाठ केवल आध्यात्मिक शांति ही नहीं प्रदान करता, बल्कि मानव जीवन को सकारात्मक दिशा देने का भी कार्य करता है। गुरुओं की शिक्षाएं हमें सत्य, सेवा और मानव कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को प्रेम, सहिष्णुता और आपसी भाईचारे के संदेश की पहले से अधिक आवश्यकता है। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की धर्मपत्नी रेशमा कल्याण, एसपी चौहान, डॉ. प्रभजोत कौर, डॉ. हरदीप सिंह, बलविंदर सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महापौर रेणु बाला गुप्ता ने उपस्थित जनों से आत्मीय भेंट करते हुए विभिन्न सामाजिक एवं जनहित विषयों पर विचार-विमर्श भी किया।विश्व शांति की अरदास कार्यक्रम का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव से ओत-प्रोत रहा, जहां संगत ने गुरबाणी के माध्यम से मानव कल्याण और विश्व शांति की अरदास की।

डॉ अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता नफे सिंह ने जताई खुशी

राजौंद,31मई (नरेश पुहाल): भाजपा आलाकमान द्वारा डॉ. अर्चना गुप्ता को महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हल्का कलायत व राजौंद में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इसी कड़ी में भाजपा अनुसूचित जाति (एससी)सेल के वरिष्ठ कार्यकर्ता नफे सिंह मदान ने इस नियुक्ति पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता की यह नियुक्ति संगठन को जमीनी स्तर पर एक नई ऊर्जा और अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी। एक विशेष वार्ता के दौरान भाजपा एससी सेल के वरिष्ठ नेता नफे सिंह मदान ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा डॉ. अर्चना गुप्ता एक बेहद कर्मठ, मिलनसार और दूरदर्शी नेत्री हैं। उनके लंबे संगठनात्मक अनुभव का लाभ सीधे तौर पर हरियाणा की मातृशक्ति और पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को मिलेगा। शीर्ष नेतृत्व ने उनके समर्पण को पहचान कर जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह बेहद सराहनीय है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस फैसले से आगामी संगठनात्मक गतिविधियों में महिलाओं के साथ-साथ समाज के हर वर्ग की भागीदारी और अधिक सुदृढ़ होगी। नफे सिंह मदान ने कहा कि पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सैनी हर वर्ग के लोगों तक बहुत सी जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचा रहे हैं। और विश्वास जताया कि डॉ. अर्चना गुप्ता के कुशल नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा न केवल सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएगा, बल्कि आगामी समय में संगठन के विस्तार में भी मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने पूरी राजौंद इकाई की तरफ से नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल और सफल कार्यकाल की कामना की।

सपनों को मिली नई उड़ान, अंत्योदय फाउंडेशन ने बेटियों को वितरित कीं साइकिलें

सांसद संजय भाटिया बोले : पर्ची-खर्ची और भ्रष्टाचार के दौर को समाप्त कर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाया विकास

करनाल, 31 मई (संदीप रोहिला): समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद परिवारों की बेटियों को शिक्षा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा रविवार को करनाल जिले के घरौंडा और नीलोखेड़ी में भव्य साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में करनाल के सांसद संजय भाटिया मुख्य अतिथि रहे। जबकि केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की सुपुत्री ऐशना कल्याण तथा भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सक्रिय सहभागिता की।रविवार को जिले के घरौंडा में घरौंडा एवं असंध विधानसभा क्षेत्रों तथा नीलोखेड़ी में करनाल, इंद्री और नीलोखेड़ी क्षेत्रों की छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। अंत्योदय फाउंडेशन के इस विशेष अभियान के तहत रविवार को आयोजित कार्यक्रमों में लगभग 250 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। शिक्षा की राह को आसान बनाने वाली इस पहल से लाभान्वित बेटियों के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। इससे पूर्व करनाल लोकसभा क्षेत्र के पानीपत में स्वयं केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल अपने हाथों से बेटियों को साइकिलें वितरित कर इस अभियान को नई गति प्रदान कर चुके हैं।इस अवसर पर सांसद संजय भाटिया ने कहा कि एक समय ऐसा था जब नौकरियां नेताओं के घरों तक सीमित रहती थीं या फिर पैसे लेकर रोजगार दिए जाते थे। पर्ची-खर्ची और भ्रष्टाचार का दौर चरम पर था, लेकिन पूरे समाज के हित में सोचने और व्यवस्था को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने का कार्य केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रेरक मार्गदर्शन में अंत्योदय फाउंडेशन की पूरी टीम सेवा, समर्पण और सामाजिक दायित्व की भावना के साथ सजगता से कार्य कर रही है। फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवसर पहुंचाना है। गरीब परिवारों की बेटियों को बेहतर शिक्षा, सम्मानजनक जीवन और उज्ज्वल भविष्य उपलब्ध कराना इस अभियान का मूल लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि ऐशना कल्याण सहित फाउंडेशन की पूरी टीम के प्रयास निरंतर सार्थक परिणाम दे रहे हैं।केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविंद्र राणा ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण से मापी जाती है। अंत्योदय फाउंडेशन का यह अभियान केवल साइकिल वितरण नहीं, बल्कि बेटियों को आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मनोहर लाल की अंत्योदय की सोच को धरातल पर उतारते हुए जरूरतमंद परिवारों तक विकास और अवसर पहुंचाए जा रहे हैं। यह पहल उन परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है, जिनकी बेटियां संसाधनों के अभाव में शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करती हैं। समाजसेवी एवं भाजपा के पूर्व कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। जिन बेटियों को विद्यालय पहुंचने के लिए प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है, उनके लिए यह साइकिल केवल एक साधन नहीं बल्कि उनके सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम वर्ग और सामाजिक संस्थाएं यदि इसी प्रकार आगे आती रहें तो कोई भी प्रतिभाशाली बेटी संसाधनों के अभाव में शिक्षा से वंचित नहीं रहेगी। उन्होंने अंत्योदय फाउंडेशन की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर समाज हित में ऐसी सार्थक और रचनात्मक गतिविधियों की निरंतरता अवश्य बनी रहनी चाहिए। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की सुपुत्री ऐशना कल्याण ने बताया कि यह अभियान समाज के उन निर्धन, वंचित, शोषित, पिछड़े और असहाय परिवारों की होनहार बेटियों के लिए समर्पित है, जिन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने गांवों से दूर दूसरे गांवों अथवा कस्बों तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराकर उनकी शिक्षा की राह को सरल बनाया जा रहा है। ऐसे सार्थक प्रयास निश्चित रूप से इन बेटियों और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाएंगे।इसी क्रम में आयोजन समिति की ओर से अनिरुद्ध यादव ने फाउंडेशन के स्वरूप, उद्देश्यों और भावी योजनाओं तथा गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।शिक्षित बेटियां रखतीं मजबूत नींव : वक्ताओं ने कहा कि जब समाज की संस्थाएं आगे बढ़कर बच्चों और विशेष रूप से बेटियों के भविष्य के लिए कार्य करती हैं तो सामाजिक मूल्यों, संवेदनाओं और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को नई मजबूती मिलती है। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित बेटियां ही सशक्त समाज, समृद्ध परिवार और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव होती हैं।सहभागिता से आगे बढ़ रही मुहिम - उल्लेखनीय है कि अंत्योदय फाउंडेशन द्वारा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से प्रदेशभर में 1000 साइकिलें वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद छात्राओं को शिक्षा की राह में आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा सके।

ईंट-भट्ठे पर जरूरतमंद परिवारों के लिए वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन

ईंट-भट्ठों पर कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिवारों की सहायता करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : राजीव आर्य

लाडवा, 31 मई (रामगोपाल): सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद लाडवा द्वारा स्थानीय ईंट-भट्ठे पर कार्यरत जरूरतमंद मजदूर परिवारों के बीच वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के

दौरान पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों को कपड़े वितरित किए गए, जिससे जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। संस्था के अध्यक्ष राजीव आर्य ने कहा कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य है। परिषद निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ईंट-भट्ठों पर कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिवारों की सहायता करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान परिषद के सदस्यों ने श्रमिक परिवारों से मुलाकात कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। वस्त्र प्राप्त करने वाले परिवारों ने भारत विकास परिषद लाडवा का आभार व्यक्त करते हुए संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना की। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष राजीव आर्य, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

युवतियों के चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास से ही होगा सशक्त भारत का निर्माण : रेणु बाला गुप्ता

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित आर्य युवती चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर में पहुंचीं महापौर

करनाल,31 मई (मिनाक्षी): कैथल रोड स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित आर्य युवती चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास शिविर में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए छात्राओं एवं युवतियों को प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज की बेटियां ही विकसित भारत और सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उनके भीतर संस्कार, आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि ऐसे शिविर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। शिविर में छात्राओं को नैतिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व, आत्मनिर्भरता तथा नेतृत्व कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जो उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।उन्होंने कहा कि चरित्रवान, संस्कारित और आत्मविश्वासी युवा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। युवतियों को अपने जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को सकारात्मक सोच, सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्कार, शिक्षा और आत्मविश्वास से ही सशक्त व्यक्तित्व तथा सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।इस अवसर पर हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भटिया ने कहा कि महिलाओं और युवतियों के सशक्तिकरण की शुरुआत उनके आत्मविश्वास और संस्कारों से होती है। उन्होंने युवतियों से शिक्षा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करने का आह्वान किया। **ये रहे उपस्थित** – कार्यक्रम में हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड के सदस्य कपिल अत्रेजा, केंद्रीय आर्य जिला अध्यक्ष अजय आर्य, कार्यक्रम के आयोजक एवं प्रधान स्वतंत्र कुकरेजा, सुमित्रा कुकरेजा, सावित्री काम्बोज, विद्यालय के प्राचार्य अरुण वर्मा, रोशन आर्य, रजनीश चोपड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

CHARDIKLA TIME TV
24X7 INFOTAINMENT CHANNEL
SCAN TO DOWNLOAD OUR APP
SCAN TO WATCH LIVE
Available FREE! at following Platforms
TATA PLAY CH. NO. 1945
Free Dish CH. NO. 340
VIDEOCON d2h CH. NO. 779
airtel digital TV CH. NO. 557
dish tv CH. NO. 1152
in CH. NO. 581
Jio TV
Available Worldwide on
sling
dish CH. NO. 748-008
amazon fire TV
YouTube
TikTok
Roku TV
eBaba
SIB
TANGO TV
FREE TV
MOBI
EKOM FLIX
CHARDIKLA MEDIA NETWORK
Also available on Social Media @
/Chardikla Time TV
/CK Time TV North America
/Chardikla Time TV Live
ceo@cktimetv.com
www.timetv.news
www.cktimetv.com